कोयल

सरल हिन्दी पाठमाला 8

शिक्षक–दर्शिका

ओरियंट ब्लैकस्वॉन

All rights reserved. No part of this book may be modified, reproduced or utilised in any form, or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording or by any information storage and retrieval system, in any form of binding or cover other than in which it is published, without permission in writing from the publisher.

कोयल सरल हिन्दी शिक्षक-दर्शिका 8 (पाठमाला 8 के लिए)

ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
मुख्य कार्यालय
3-6-752 हिमायतनगर, हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना), भारत
ई-मेल: centraloffice@orientblackswan.com

शाखाएँ
बंग्लुरु, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, मुम्बई,
नई दिल्ली, नोएडा, पटना, विशाखापट्टनम

© ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, 2023
प्रथम संस्करण, 2023

OBBN 978-0-30106-646-2

टाइपसेटर
सुरेश कुमार शर्मा, दिल्ली

मुद्रक

प्रकाशक
ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
3-6-752 हिमायतनगर,
हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना)
ई-मेल : info@orientblackswan.com

पाठ-सूची

शिक्षक बंधुओं से ... *v*

1. **एक बूँद** (कविता) *अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'* 1
2. **हार की जीत** (कहानी) *सुदर्शन* 6
3. **खेलो, खूब खेलो!** (संवादात्मक पाठ) 12
4. **काबुलीवाला** (कहानी) *रवींद्रनाथ ठाकुर* 17
5. **मधुर वचन** (दोहे) 23
6. **रानी सारंधा की वीरता** (ऐतिहासिक कहानी) 29
7. **हमारा सौरमंडल** (विज्ञान-लेख) 35
8. **दक्षिण भारत की सैर** (पत्र) 40
9. **गिरिधर की कुंडलियाँ** (पद) *गिरिधर कविराय* 46
10. **अहिंसा** (पौराणिक कथा) 51
11. **दो बैलों की कथा** (कहानी) *प्रेमचंद* 57
12. **दूर-संचार का सतत विकास** (विज्ञान-लेख) 63
13. **जीवन की चुनौती** (कविता) 69
14. **चंद्रशेखर आज़ाद** (जीवनी अंश) 75

शिक्षक बंधुओं से ...

हिन्दी भारत की एक प्रमुख भाषा है। यह प्रांतीय भाषा ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण देश में बोली जाने वाली 'सार्वजनिक' भाषा है। यह देश के कुछ स्कूलों में प्रथम भाषा के रूप में तो कुछ स्कूलों में द्वितीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। देश के कुछ स्कूल ऐसे भी हैं, जहाँ यह तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। **'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला** की रचना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर की गई है। इन क्षेत्रों में इस पाठ्यपुस्तक माला के माध्यम से हिन्दी द्वितीय अथवा तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। यह पाठ्यपुस्तक माला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसलिए इन शिक्षक दर्शिकाओं का निर्माण हिन्दी शिक्षण की उन कठिनाइयों को ध्यान में रखकर किया गया है, जिनका सामना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के शिक्षक करते हैं।

'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला

'कोयल' NEP के अनुरूप सरल हिन्दी पाठमाला अहिन्दी भाषी क्षेत्रों तथा द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए है। यह पुस्तकमाला सम्प्रेषणमूलक शिक्षण प्रविधि (Communicative Teaching Method) एवं योग्यता-आधारित शिक्षा के सिद्धांतों (Principles of Competency Based Education) को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy) 2020 और एनसीईआरटी (NCERT) के दिशा-निर्देशों का पालन करती है। यह सीरीज़ **नर्सरी** से लेकर **कक्षा 8** तक के विद्यार्थियों के लिए है।

भाषा शिक्षण के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना – को इस पाठ्यपुस्तक माला में स्थान दिया गया। है। इन कौशलों के माध्यम से किस प्रकार विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना है, यह इन शिक्षक दर्शिकाओं के माध्यम से बताया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020)

'कोयल' सरल हिन्दी पाठमाला में शिक्षा के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना (Listening, Speaking, Reading & Writing) – के माध्यम से शिक्षण दिया गया है। ये पुस्तकें नवीनतम शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के निम्नलिखित मापदण्डों पर आधारित है:-

- डिजिटल (QR कोड, ऑडियो एवं वीडियो)
- अतिरिक्त पठन

- भारतीय विरासत
- पास-परिवेश
- चिंतन (Critical Thinking)
- समस्या समाधान (Problem Solving)
- रचनात्मक कार्य (Art Integration)
- जीवन मूल्य (Values)
- जीवन कौशल (Life Skills)

इनके माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला की पाठ-सूची के अनुसार दी गई **पाठ योजना** के अंतर्गत बताया गया है।

'कोयल' हिंदी प्रवेशिकाएँ (नर्सरी, LKG एवं UKG के लिए)

- इस पाठ्यपुस्तक माला में **तीन प्रवेशिकाएँ क्रमशः नर्सरी, LKG एवं UKG** के लिए हैं।
- इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य **विद्यार्थियों को स्वर एवं व्यंजन का ज्ञान, बिना मात्रा वाले दो, तीन तथा चार अक्षरों से बने शब्दों व वाक्यों को बोलना, पढ़ना एवं लिखना सिखाना है।**
- ये शिक्षण **पुस्तकों के माध्यम से** तो है ही, साथ ही **डिजिटल के माध्यम से** भी दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों में सुनकर बोलने की कुशलता का विकास हो सके।
- अक्षरों, शब्दों, वाक्यों तथा कविताओं का **ऑडियो** दिया गया है। पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- **ऑडियो का प्रयोग** शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक पाठ-योजना में बताया गया है।
- ऑडियो के साथ-साथ **फ़्लैश कार्ड** भी दिए गए हैं। ये **फ़्लैश कार्ड** शिक्षण को रोचक, मनोरंजक और सहायक बनाएँगे।
- **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि व्हाइट बोर्ड पर जब चित्र और उसके नाम का पहला अक्षर या उसका नाम आएगा तब **"बिंगो" बोलना** है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 1 एवं 2 (कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के लिए)

- **पाठमाला 1 में स्वर** तथा **पाठमाला 2 में व्यंजन पढ़ाए और सिखाए गए हैं।**
- प्रवेशिकाओं की भाँति ही, इनमें भी डिजिटल के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- स्वरों की मात्राओं से बने शब्दों तथा वाक्यों एवं कविताओं का ऑडियो दिया गया है।
- इन पुस्तकों में भी पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- ऑडियो का प्रयोग शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह संबंधित शिक्षक दर्शिका में दी गई प्रत्येक पाठ योजना में बताया गया है।

- प्रवेशिकाओं की भाँति इन कक्षाओं के लिए भी **फ़्लैश कार्ड** दिए गए हैं जिनका प्रयोग पूर्व कक्षाओं की भाँति ही करना है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 3 से 8 (कक्षा 3 से 8 के लिए)

- कक्षा 3 से 8 में शिक्षण हेतु गद्य, पद्य, कहानी एवं संवाद विधा से संबंधित पाठ दिए गए हैं।
- ये पाठ एवं इनके अभ्यास तथा व्याकरण अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं।
- इन पुस्तकों में भी **डिजिटल** के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- **अभ्यासों** में मौखिक प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, लिखित प्रश्न, रिक्त स्थान, मिलान करना, किसने कहा? किससे कहा?, पाठ से संबंधित सही-गलत बात बताना, स्तर के अनुसार व्यावहारिक व्याकरण, चिंतन एवं समस्या समाधान, रचनात्मक कार्य, जीवन मूल्य तथा जीवन कौशल से संबंधित प्रश्नों एवं गतिविधियों का समावेश किया गया है।

डिजिटल सामग्री (नर्सरी से पाठमाला 8 के लिए)

नर्सरी से कक्षा 8 तक प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला से संबंधित डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इस सामग्री में **फ़्लैश कार्ड**, **ऑडियो** (अतिरिक्त पठन एवं शब्दावली हेतु), **QR Code (केवल कविताओं में)**, **पाठों का ऑडियो**, **पाठों का ऐनिमेशन**, **शब्दार्थों का ऐनिमेशन** तथा **ऑडियो पर आधारित प्रश्नों का समावेश** किया गया है। इनके प्रयोग के माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह पाठ योजना के अंतर्गत बताया गया है। शिक्षकों की सुविधा के लिए नीचे संक्षेप में इनका उद्देश्य बताया जा रहा है–

फ़्लैश कार्ड : इनका उद्देश्य अक्षर एवं शब्दों की पहचान करवाना है।

QR कोड : इनका उद्देश्य कविताओं को सुनकर समझना और कंठस्थ करना है।

पाठों का ऑडियो : इनका उद्देश्य पाठों को सुनकर कहानी और भाषा को समझना व सीखना है।

पाठों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य पाठ की कहानी को रोचक ढंग से प्रस्तुत करके विषय के प्रति विद्यार्थियों की रुचि जाग्रत करना है।

शब्दार्थों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य है कि विद्यार्थी शब्दों का अर्थ और भाव भली भाँति समझ जाए।

ऑडियो पर आधारित प्रश्न : इनका उद्देश्य यह जानना है कि विद्यार्थी ने पाठ को कितना समझा है। इससे प्रश्न को सुनकर उसका उत्तर देने पर उनकी हिन्दी बोलने की कुशलता बढ़ेगी।

'कोयल' हिन्दी अभ्यास पुस्तिका नर्सरी से 8 (नर्सरी से कक्षा 8 के लिए)

अभ्यास पुस्तिकाएँ केवल सुलेख हेतु नहीं हैं। इनमें दी गई गतिविधियाँ तत्संबंधी पाठमाला में दिए गए अभ्यासों और दी गई गतिविधियों का विस्तार है।

- ये गतिविधियाँ भी नवीन शिक्षा नीति 2020 के सभी मानकों पर खरी उतरती हैं।
- विद्यार्थी इनके द्वारा लेखन का अभ्यास तो करेंगे ही, साथ-ही-साथ उनकी हिन्दी भाषा पर पकड़ भी मज़बूत होगी।
- इन अभ्यास पुस्तिकाओं में पाठ बोध (प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान, बहुविकल्पी प्रश्न) के साथ-साथ व्याकरण बोध और रचनात्मक कार्य भी दिया गया है।

'कोयल' हिन्दी शिक्षक दर्शिकाएँ (नर्सरी से 8)

ये शिक्षक दर्शिकाएँ नवीन शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण किस प्रकार दिया जाए, उस आधार पर तो तैयार की ही गई हैं, साथ ही इनको तैयार करते समय अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की हिन्दी पठन एवं पाठन में होने वाली असुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है। इसके लिए इन शिक्षक दर्शिकाओं में–

- सबसे पहले **पाठ उपलब्धियाँ** दी गई हैं।
- इसके बाद **पाठों का सारांश** दिया गया है।
- तदनन्तर **पाठवार पाठ-योजना** दी गई है।
- पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका में दिए गए अभ्यास-प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं।

कुल 9 शिक्षक दर्शिकाएँ हैं। जिनमें नर्सरी, LKG और UKG प्रवेशिकाओं के लिए एक संयुक्त दर्शिका एवं प्रत्येक पाठ्यपुस्तक के लिए अलग-अलग 8 दर्शिकाएँ हैं।

विद्यार्थियों का परीक्षण/मूल्यांकन कैसे करें

- 'मौखिक मूल्यांकन' शब्दों के शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तरों के शुद्ध उच्चारण के साथ-साथ उत्तर की सटीकता के आधार पर करें।
- इसी प्रकार 'लिखित मूल्यांकन' भी भाषा की शुद्धता और पाठ के आधार पर तथ्यों की सटीकता के माध्यम से करें।
- 'सोचिए और बताइए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों से निकलवाएँ और उनके उत्तरों की सटीकता का उनकी बौद्धिक क्षमता के आधार पर मूल्यांकन करें।
- 'रचनात्मक कार्य' के अंतर्गत दी गई गतिविधियों का मूल्यांकन लिखित, मौखिक, बौद्धिक क्षमता, पाठ का संदेश एवं रचनात्मकता की दृष्टि से किया जाए।

आशा है, ये दर्शिकाएँ, हिन्दी शिक्षण में अत्यन्त सहायक होंगी। सुझावों का स्वागत है।

पाठ 1 : एक बूँद

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • साहस • निडरता • जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता का भाव बताना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, पर्यायवाची शब्द, सर्वनाम, वाक्य रचना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कारण, आशय, कल्पना, अनुमान, परिणाम, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	संवाद लेखन, चार्ट बनाना, मानचित्र कार्य
जीवन कौशल Life Skills	स्वयं पर भरोसा करना
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

यह कविता प्रकृति पर आधारित है, पर साथ ही भय को दूर करने वाली भी है। वह भय जिसके कारण मनुष्य जीवन में आगे बढ़ने से डरता है। पानी की एक बूँद बादलों से निकलकर धरती की ओर बढ़ चली। पर जैसे ही वह बादलों से निकली, दुविधाओं ने उसे घेर लिया। वह परेशान होकर सोचने लगी कि वह अपने घर 'बादल' से बाहर क्यों निकली! वह ईश्वर से पूछती है कि मेरा भविष्य क्या है? मैं बचूँगी या धूल में मिल जाऊँगी? किसी

अंगारे पर जलकर भाप बन जाऊँगी या किसी कमल के फूल पर गिर जाऊँगी। बूँद यह सोच ही रही थी कि तभी हवा उसे समुद्र की ओर ले गई। वहाँ एक सीप का मुँह खुला हुआ था। वह उसी में गिर गई और मोती बन गई। कवि कह रहा है कि यह सच है कि लोग घर छोड़ते समय झिझकते ज़रूर हैं कि वे सफल होंगे या नहीं पर घर को छोड़ना उन्हें सफलता ही दिलाता है।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कविता में सफलता पाने के लिए सब प्रकार के भय को दूर करने की बात कही गई है। विद्यार्थियों को इस बात का अर्थ समझाएँ कि किस प्रकार जीवन में हर प्रकार की सफलता पाने के लिए हमें आगे कदम बढ़ाना ही होगा। यदि हम आगे बढ़ेंगे ही नहीं तो हमें सफलता या लक्ष्य कैसे प्राप्त होगा! अत: जीवन में सफलता पाने के लिए हर परिस्थिति में भय को भूलकर आगे बढ़ना चाहिए।
2. सब विद्यार्थियों से इस विषय में और बातचीत करें। उनसे पूछें कि इस विषय पर उनकी समझ क्या कहती है। हमें जीवन में आगे बढ़ने से डरना चाहिए या फिर बिना डरे मंज़िल की ओर कदम बढ़ाते चले जाना चाहिए।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening and Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता-पाठ** करें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब विद्यार्थियों से पूछें कि जीवन में ऐसी परिस्थिति कब-कब आती है? एक-दो उदाहरण दें, जैसे – यदि उन्हें किसी ऐसी प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिले, जिसमें उनके विजय होने के अवसर बहुत कम हों तो क्या वे उसमें भाग लेंगे या फिर यह सोच कर उसमें भाग नहीं लेंगे कि इस प्रतियोगिता को तो मैं जीत ही नहीं सकता!
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. पुस्तक में **कविता से संबंधित जो चित्र** दिया गया है, आप उससे संबंधित प्रश्न भी विद्यार्थियों से पूछ सकते हैं। जैसे– इस चित्र में क्या-क्या हो रहा है? यह चित्र कविता के बारे में क्या बता रहा है?
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**

- **कविता में बूँद का घर किसे कहा गया है?**
  ☐ **समुद्र को** ☐ **बादल को** ☐ **सीप को**

10. श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखकर उनके **पर्यायवाची शब्द** भी बताएँ। उसके बाद पर्यायवाची शब्द की परिभाषा भी बता दें। फिर सर्वनाम शब्दों की परिभाषा बताकर पाठ में आए सर्वनाम शब्दों को दिखाएँ। इसके बाद कुछ शब्द श्यामपट्ट पर लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग करें। **'कर' शब्द** का प्रयोग करते हुए कुछ वाक्य श्यामपट्ट पर ही बना कर दिखा दें। फिर विद्यार्थियों से कॉपी में वाक्य बनवाएँ।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि सीप समुद्र में पाई जाती है। समुद्र में और क्या-क्या मिलता है? भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ है। उनके नाम क्या-क्या हैं, आदि।
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) कवि का नाम है – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'। कविता – एक बूँद।
   (ख) बूँद बादल से इसलिए नहीं निकलना चाहती थी, क्योंकि वह इस बात से डर रही थी कि कहीं वह धूल में तो नहीं मिल जाएगी या फिर किसी अंगारे पर गिरकर जल तो नहीं जाएगी।

(ग) 'दैव! मेरे भाग्य में है क्या बदा?' – से कवि का तात्पर्य है कि बूँद ईश्वर से पूछ रही है कि उसका भविष्य क्या है? वह जीवित बचेगी या मिट जाएगी।

(घ) हवा बूँद को समुद्र की ओर ले आई।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ बादलों में से (ख) ☑ हवा (ग) मोती (घ) ☑ डरते हैं।

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का **श्रुतलेख** लिखवाएँ।
2. (क) बूँद बादलों से निकलते ही सोचने लगी कि वह अपना बादल रूपी घर छोड़कर क्यों निकली।

   (ख) बूँद को डर था कि वह धूल में भी मिल सकती है और किसी अंगारे पर गिरकर जल भी सकती है। वह किसी कमल के फूल में भी गिर सकती है।

   (ग) लोगों को जब घर छोड़ना पड़ता है, तो वे बहुत सोचते हैं, झिझकते हैं तथा डरते हैं कि बाहर उनके साथ क्या होगा! कैसी परिस्थितियाँ मिलेंगी! वे सफल होंगे या नहीं! किंतु प्रायः घर छोड़ने वाले ही सफल होते हैं। जिस प्रकार बादलों को छोड़ने पर ही बूँद मोती बन पाई थी, उसी प्रकार कठिनाइयों का सामना करके ही मनुष्य जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है।

   (घ) लोग यों ही हैं झिझकते सोचते,
   जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर।
   किंतु घर का छोड़ना अकसर उन्हें,
   बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।।
3. इस कविता का संदेश है कि जो मनुष्य सुख-सुविधाओं को छोड़कर कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं, वे ही जीवन में सफल होते हैं। जीवन में कुछ बन जाते हैं।
4. इन पंक्तियों का भाव यह है कि अपने घर की सुख-सुविधाओं को छोड़कर बाहर जाना पड़े तो लोग यही सोचते हैं कि बाहर की दुनिया में कुछ बन पाएँगे या नहीं। उन्हें विपरीत परिस्थितियाँ मिलेंगी या किसी मुसीबत में तो नहीं फँस जाएँगे! इसी प्रकार वह बूँद बादल रूपी अपने सुरक्षित घर से निकलते हुए ईश्वर से पूछ रही है कि उसके भाग्य में क्या लिखा हुआ है – वह बच जाएगी या धूल में मिल जाएगी या फिर किसी अंगारे पर गिरकर जल जाएगी या किसी कमल के फूल में गिर जाएगी।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. बरखा, पानी, तालाब, काला।
2. एक बूँद बादलों से निकली और सोचने लगी कि वह घर से क्यों निकली? उसके भाग्य में न जाने क्या लिखा है! वह बचेगी या धूल में मिल जाएगी? ऐसा सोचते-

सोचते वह हवा के झोंके के साथ सागर की ओर चली गई। सागर में वह एक सीप में जाकर गिरी और मोती बन गई।

3. खेल – वह बाहर से **खेलकर** आई।
   चल – वह बहुत दूर से **चलकर** आई।
   दौड़ – वह बहुत तेज़ी से **दौड़कर** आया।
   पकड़ – वृद्धा धीरे-धीरे लाठी **पकड़कर** आई।

सोचिए और बताइए Think & Tell

इनका उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills

निर्देशानुसार करवाएँ। विद्यार्थियों के विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) बूँद (ख) ईश्वर से (ग) बिना किसी डर के आगे बढ़ना चाहिए।
2. (क) थोड़ा आगे बढ़ने पर बूँद सोच रही थी कि वह अपने घर बादल को छोड़कर बाहर क्यों निकली।
   (ख) बूँद ने ईश्वर से पूछा कि उसके भाग्य में क्या लिखा है?
   (ग) कविता की अंतिम पंक्ति में बताया गया है कि लोग अपने सुखों को छोड़कर जब जीवन में कुछ प्राप्त करने के लिए निकलते हैं तब वे डरते हैं और सोचते हैं कि वे अपने घर को छोड़कर क्यों बाहर आए। किंतु बूँद की भाँति घर का छोड़ना उन्हें जीवन में सफलता दिला देता है।
3. विद्यार्थियों से कविता की दी गई पंक्तियों से अगली पंक्ति लिखवाएँ।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4.

मेघ	=	बादल	समुद्र	=	सागर
गृह	=	घर	प्रायः	=	अकसर
समय	=	काल	हृदय	=	जी
पवन	=	हवा	किस्मत	=	भाग्य

5. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 2 : हार की जीत

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • पशु-पक्षी प्रेम • दया भाव • सहायता एवं सहयोग

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विशेषण, विशेष्य, मुहावरे, मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, परिणाम, समस्या समाधान, कारण, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	संवाद बोलना, अभिनय, वर्णन करना, कहानी का दूसरा अंत बताना
जीवन मूल्य Values	मानव मूल्यों का महत्त्व
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी एक डाकू के हृदय परिवर्तन की कहानी तो है ही, साथ ही एक ऐसे साधु की कहानी भी है, जो अपने प्रिय घोड़े को इसलिए किसी और को ले जाने देते हैं, ताकि लोग गरीबों पर विश्वास करना न छोड़ें। उनका नाम बाबा भारती था। यह उनकी ही कहानी है। हार कर भी जीत जाना, असंभव नहीं तो कठिन अवश्य है। बाबा भारती नैतिक मूल्यों से भरे हुए हैं। उनके पास एक सुंदर और अद्‌भुत घोड़ा है। उनकी भावनाएँ बड़ी गहराई से उस घोड़े से जुड़ी हुई हैं। उस घोड़े का नाम है – सुल्तान। उसकी प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैली हुई है। खड्‌गसिंह उस इलाके का नामी डाकू है। जब उसने घोड़े के बारे में सुना तो वह उसे देखने के लिए बाबा भारती के पास पहुँचा। वह घोड़े से बहुत प्रभावित होता है और बाबा भारती से यह कहकर चला जाता है कि अब वह इस घोड़े को उनके पास नहीं रहने दगा। बाबा भारती इस बात से भयभीत रहने लगे। एक दिन वे घोड़े पर कहीं जा रहे थे। रास्ते में उन्हें एक अपाहिज ने रोक लिया और बोला – पास ही रामाँवाला है, मुझे वहाँ तक अपने घोड़े पर छोड़ दो। बाबा ने उसकी बात मान ली। उन्होंने उसे घोड़े पर बैठा लिया और स्वयं लगाम पकड़कर धीरे-धीरे चलने लगे। अचानक एक झटके में लगाम बाबा भारती के हाथ से छूट गई। उन्होंने नज़र उठाकर देखा तो वह खड्‌गसिंह था। वह बोला – बाबा जी, अब यह घोड़ा आपको नहीं दूँगा। बाबा भारती ने खड्‌गसिंह से कहा – अब घोड़ा तुम्हारा हो चुका है। मैं इसे वापस नहीं लूँगा। मेरी बस एक ही प्रार्थना है कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना, अन्यथा लोग गरीबों पर विश्वास करना छोड़ देंगे। यह कह कर वे इस तरह मुड़ गए, जैसे उस घोड़े से उनका कोई नाता ही न हो! बाबा भारती की यह बात खड्‌गसिंह के हृदय पर चोट करने लगी। वह सोचने लगा – जिसे मानवता की पीड़ा का इतनी गहराई से एहसास हो, वह मनुष्य नहीं, देवता है। रात्रि के अंधकार में खड्‌गसिंह घोड़े को निश्चित स्थान पर बाँध कर आँखों में नेकी के आँसू लिए हुए चला गया। सुबह जब बाबा भारती ने अपने घोड़े को देखा तो वे अति प्रसन्न हुए और संतोषपूर्वक बोले कि अब कोई गरीबों पर विश्वास करना नहीं छोड़ेगा।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कहानी में घोड़े की बात आई है। पहले के समय में घोड़े किस काम आते थे और आजकल घोड़े किस काम आते हैं, इस विषय पर चर्चा करें। साथ ही अन्य पालतू जानवरों के बारे में भी बातें करें। ध्यान दें कि ये बातें हिंदी में ही हों।
2. कहानी पढ़कर समझ आता है कि बाबा भारती अपना नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव जाति के विषय में सोचते थे। उनका यह स्वभाव कैसा था? क्या हमें भी इसी

प्रकार सोचना चाहिए? अपने से पहले दूसरों का सोचना बहुत अच्छी बात होती है या जिन्हें हमारी ज़्यादा ज़रूरत होती है। – क्या ऐसा करना चाहिए? इस तरह के प्रश्न पूछें।

3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening and Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब परोपकार का महत्त्व समझाएँ। बताएँ कि दूसरों का भला करना अच्छी बात होती है। हमें अपने साथ-साथ दूसरों के सुख-दुख के बारे में भी सोचना चाहिए।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **किसी और के मुख से क्या सुनने के लिए बाबा भारती का मन अधीर हो उठा?**
     ☐ **कहानी** ☐ **अपनी प्रशंसा** ☐ **गाना**
10. श्यामपट्ट पर **विशेषण और विशेष्य** शब्द लिखकर विद्यार्थियों को उनके बारे में समझाएँ। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त भी कुछ उदाहरण दें।
11. श्यामपट्ट पर दिए गए **मुहावरे** लिखकर विद्यार्थियों को समझाएँ कि किस प्रकार उनका वाक्यों में प्रयोग करना है। दिए गए मुहावरों के अतिरिक्त भी कुछ अन्य उदाहरण दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि खड्गसिंह घोड़ा न लौटाता को क्या होता? बाबा भारती जो बात सोच रहे थे कि कोई गरीबों पर विश्वास नहीं करेगा। क्या यह बात सच साबित हो सकती थी? कैसे?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) बाबा भारती को अपने घोड़े को देखकर वैसा ही आनंद आता था, जैसा आनंद माँ को अपने बेटे को देखकर, साहूकार को अपने देनदार को देखकर और किसान को अपने लहलहाते खेत देखकर आता है।
   (ख) सुल्तान की कीर्ति वहाँ के नामी डाकू खड्गसिंह के कानों तक पहुँची।
   (ग) बाबा भारती इस बात से डर गए कि कहीं खड्गसिंह उनका घोड़ा न ले जाए।
   (घ) खड्गसिंह का मुँह आश्चर्य से इसलिए खुला रह गया क्योंकि उसका विचार था कि उसे घोड़े को लेकर वहाँ से भागना पड़ेगा। परंतु बाबा भारती ने स्वयं ही कहा कि "इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना।"
   (ङ) जब बाबा भारती सुल्तान को अस्तबल में बँधा हुआ पाते हैं तो वे प्रसन्नता से झूम उठते हैं। उन्हें घोड़ा वापस मिलने की प्रसन्नता कम थी और इस बात की प्रसन्नता ज़्यादा थी कि अब कोई किसी गरीब की सहायता से मुँह न मोड़ेगा।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ सुल्तान (ख) ☑ खड्गसिंह (ग) ☑ एक अपाहिज (घ) ☑ देवता के

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का **श्रुतलेख** लिखवाएँ।
2. (क) बाबा भारती सुल्तान को स्वयं दाना-पानी खिलाते थे। अपने हाथों से खरहरा करते थे। हर प्रकार से उसका ध्यान रखते थे।
   (ख) सुल्तान को देखने के बाद खड्गसिंह ने सोचा – भाग्य की बात है! ऐसा घोड़ा तो खड्गसिंह के पास होना चाहिए। इस साधु को ऐसी चीज़ों से क्या लाभ! यह सोचकर उसने निर्णय लिया कि अब वह इस घोड़े को बाबा के पास न रहने देगा।
   (ग) बाबा भारती दिन-रात सुल्तान की रक्षा में लगे रहते। उन्हें रात को नींद न आती। हमेशा अस्तबल की रक्षा में लगे रहते।

(घ) बाबा भारती ने जब देखा कि वह अपाहिज डाकू खड्गसिंह है तो उनके मुख से विस्मय और निराशा से भरी हुई चीख निकल गई।

(ड.) इस घटना का किसी को पता न चले, बाबा भारती ऐसा इसलिए चाहते थे, क्योंकि यदि ऐसा हुआ तो लोग गरीबों पर विश्वास करना छोड़ देंगे।

(च) बाबा भारती की प्रार्थना का खड्गसिंह पर यह असर हुआ कि उसका हृदय परिवर्तन हो गया। वह सोचने लगा कि जो व्यक्ति अपनी हानि को मनुष्यत्व की हानि समझे, वह मनुष्य, मनुष्य नहीं, देवता है।

3. (क) भ्रांति-सी (ख) घमंड, आश्चर्य से (ग) अस्वीकार
(घ) प्रार्थना (ङ) उसकी

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. विद्यार्थियों को श्यामपट्ट पर विशेषण और विशेष्य समझाएँ।
2. **लट्टू होना :** खड्गसिंह सुल्तान की चाल पर लट्टू हो गया।
मन मोहना : सुल्तान ने खड्गसिंह का मन मोह लिया।
हृदय पर साँप लोटना : सुल्तान जैसा घोड़ा देखकर खड़गसिंह के हृदय पर साँप लोटने लगा।
पाँव मन-मन भारी होना : निराशा के कारण बाबा भारती के पाँव मन-मन भारी हो गए।
आश्चर्य का ठिकाना न रहना : सुल्तान को अस्तबल में बँधा हुआ देखकर, बाबा भारती के आश्चर्य का ठिकाना न रहा।

सोचिए और बताइए Think & Tell

सभी प्रश्नों का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills

विद्यार्थी स्वयं उत्तर देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ सुल्तान घोड़े को (ख) ☑ उस इलाके का प्रसिद्ध डाकू
   (ग) ☑ डाकू खड्गसिंह (घ) ☑ वापस कर दिया।
2. (क) बाबा भारती सुल्तान की चाल के बारे में कहते थे कि – "ऐसे चलता है, जैसे मोर घटा को देखकर नाच रहा हो।"
   (ख) सुल्तान की कीर्ति खड्गसिंह के कानों में पहुँची। सुल्तान के बारे में सुनकर वह सीधा बाबा भारती के पास उसे देखने पहुँच गया।
   (ग) जब सुल्तान यह कह कर गया कि – "बाबा जी, अब यह घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा" तो बाबा भारती डर गए। इस कारण उनकी रातें अस्तबल की रखवाली में कटने लगीं।
   (घ) अपाहिज ने बाबा भारती को बताया कि वह दुर्गादत्त वैद्य का सौतेला भाई है।
   (ङ) खड्गसिंह रात के अंधकार में बाबा भारती के घोड़े सुल्तान को वापस लौटाने आया था।
3. (क) इसका तात्पर्य यह है कि भले ही बाबा भारती साधु बन गए हों, उन्होंने सांसारिक वस्तुएँ त्याग दी हों, पर वे भी मनुष्य ही थे। उन्हें भी अपनी वस्तु की प्रशंसा सुनना अच्छा लगता था।
   (ख) इसका तात्पर्य यह है कि वह अपने बाहुबल और आदमियों की शक्ति के बल पर कुछ भी प्राप्त कर सकता था।
   (ग) इसका तात्पर्य यह है कि खड्गसिंह बाबा भारती की हर आज्ञा मानने के लिए तैयार था। बस वह सुल्तान को वापस नहीं करेगा।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें **विशेष्य** कहते हैं। जैसे – **लाल गेंद**। इसमें **'गेंद'** शब्द की विशेषता बताई गई है कि वह **लाल** रंग की है। इसलिए गेंद **'विशेष्य'** है।
2. बेटा – बेटे
   घोड़ा – घोड़े
   छवि – छवियाँ
   आँख – आँखें
   बकरा – बकरे
   घटना – घटनाएँ

रचनात्मक कार्य Creative work

सभी निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

8. कहानी का सारांश आरंभ में दिया गया है।

पाठ 3 : खेलो, खूब खेलो!

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• स्वस्थ शरीर का महत्त्व • व्यायाम का महत्त्व • खेलों का महत्त्व • दैनिक जीवन में उचित समय विभाजन

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	संस्मरण
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, शब्द रचना, वाक्य रचना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कारण, कार्य-कारण संबंध, चरित्र-चित्रण, संदेश
रचनात्मक कार्य Art Integration	समय विभाजन तालिका बनाना, सूची बनाना, चार्ट पेपर पर विभिन्न खेलों के चित्र चिपकाकर उनके नाम लिखना
जीवन कौशल Life Skills	स्वास्थ्य के प्रति सचेतता
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ स्वास्थ्य से संबंधित है। हमें अपने शरीर को हर आयु में स्वस्थ रखना चाहिए। फौज के एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर ने एक जगह टेनिस का खेल होते हुए देखा तो वहाँ आ गए। लेखक और उनके मित्र जिस तरह टेनिस खेल रहे थे, वह उन्हें पसंद नहीं आया। वे खुद उतर गए कोर्ट में और जो शॉट लगाए, तो फिर लेखक और उनके मित्र दोनों ही उनकी सर्विस नहीं सम्हाल पाए। उस दिन एक सत्तर साल के बुजुर्ग ने पच्चीस साल के नौजवानों को आसानी से हरा दिया। ब्रिगेडियर साहब लेखक के पड़ोसी छबलानी जी के अतिथि थे। टेनिस का खेल होते देखकर वे इधर आ गए थे। वापसी में छबलानी जी की बैठक में उन्होंने लेखक और उनके मित्रों को भी बैठा लिया। बातचीत में ब्रिगेडियर साहब ने बताया कि वे बचपन से ही खिलाड़ी रहे हैं। वे हमेशा समय विभाजन तालिका (टाइम टेबल) के अनुसार काम करते थे। इस कारण उन्हें सैर और खेल-कूद के लिए पर्याप्त समय मिल जाता था। उन्होंने बताया कि सेना में आने के बाद उन्हें खेल-कूद का इंचार्ज बना दिया गया। सौभाग्य से उन्हें पत्नी भी खिलाड़िन ही मिली। वे आज भी टेनिस खेलते हैं और उनकी पार्टनर उनकी बेटी है। उन्होंने बताया कि वे कई खेल-प्रतियोगिताएँ भी जीत चुके हैं। जब लेखक ने कहा कि आजकल खेलने का समय ही कहाँ मिलता है और सुविधाएँ भी नहीं हैं तो इसपर ब्रिगेडियर साहब बोले – हम कितना भी काम करें पर अपने शरीर, जिससे हम इतना काम लेते हैं, उसके लिए कुछ समय तो निकाल ही सकते हैं! जिसके पास खेलने की सुविधा न हो, वह लंबी सैर करे, योगासन करे, हल्का व्यायाम करे। मतलब हाथ-पैर ज़रूर हिलाए। शरीर बेकार हो गया तो समझो सारा जीवन ही बेकार हो गया। लेखक को ब्रिगेडियर साहब की बात में बहुत दम लगा। उनकी नेक सलाह के लिए उन्हें धन्यवाद देकर लेखक अपने घर लौट आए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ स्वास्थ्य रक्षण की दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है। पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों को बताएँ कि नियमित सैर, नियमित व्यायाम, योगासन और मनपसंद खेल-कूद शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए बहुत ज़रूरी हैं। फिर उनसे इस संबंध में प्रश्नोत्तर करें। विद्यार्थियों के विचार भी जानें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें।
2. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening and Speaking Skills) का विकास होगा।
3. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
4. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।

5. अब पूछें कि क्या व्यायाम बड़ी आयु के लोगों के लिए भी आवश्यक है? बड़ी आयु के लोग व्यायाम करेंगे तो क्या होगा और व्यायाम नहीं करेंगे तो क्या होगा? क्या व्यायाम हर आयु वर्ग के लोगों के लिए आवश्यक है?
6. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
7. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **ब्रिगेडियर साहब सत्तर वर्ष की आयु में भी स्वस्थ कैसे रहते थे?**
     - ☐ **व्यायाम और खेल-कूद के कारण**
     - ☐ **लड़ाई-झगड़ा न करने के कारण**
     - ☐ **टेनिस खेलने के कारण**
9. दिए गए शब्दों का पहले **मौखिक रूप** से ही वाक्य में प्रयोग करवा दें। फिर **कॉपी में लिखने के लिए** दें। अब श्यामपट्ट पर **प्रत्ययों के उदाहरण** समझा दें कि किस प्रकार उनका प्रयोग करके नए शब्द बन जाते हैं और किस प्रकार पहले वाले शब्द का अर्थ बदल जाता है।
10. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि ब्रिगेडियर साहब समय विभाजन तालिका के अनुसार कार्य न करते तो क्या वे पढ़ाई और खेलों में इस तरह निपुण हो पाते? क्या तब भी उनका स्वास्थ्य इसी प्रकार का होता? पूछें, क्या वे भी समय विभाजन तालिका के अनुसार कार्य करते हैं? उन्हें समय विभाजन तालिका के अनुसार कार्य करने के लिए प्रेरित करें। इसमें प्रत्येक विद्यार्थी की भागीदारी सुनिश्चित करें।
11. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
12. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
13. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
14. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
15. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. दिए गए शब्दों का उच्चारण विद्यार्थियों से करवाएँ।
2. (क) ब्रिगेडियर साहब टेनिस कोर्ट में लेखक और उनके मित्र की हल्की सर्विसें देखकर खुश नहीं हुए।
   (ख) लेखक कभी-कभी ही मौका मिलने पर टेनिस खेलते थे और ब्रिगेडियर साहब नियमित रूप से खेलते थे। इसीलिए उन्होंने अपने आपको नौसिखिया कहा।
   (ग) ब्रिगेडियर साहब को पढ़ाई मुश्किल इसलिए नहीं लगती थी, क्योंकि वे समय विभाजन तालिका बनाकर काम करते थे।
   (घ) ब्रिगेडियर साहब ने साठ से पैंसठ और छियासठ से सत्तर वाले ग्रुप में एक-एक बार दौड़ प्रतियोगिता जीत ली थी।
   (ङ) ब्रिगेडियर साहब की बात में दम था – लेखक ने ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि उन्होंने जो कुछ भी कहा था, वह सच था।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) टेनिस कोर्ट में (ख) वे नियमित रूप से खेलते थे और अच्छे खिलाड़ी थे।
(ग) उनकी बेटी (घ) समय से पहले वृद्ध लगने लगेगा।

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का **श्रुतलेख** लिखवाएँ।
2. (क) यह इसलिए संभव हो सका क्योंकि ब्रिगेडियर साहब नियमित रूप से व्यायाम करते थे और खेलते-कूदते थे।
   (ख) खेलने की सुविधाओं के अभाव में स्वास्थ्य रक्षा के लिए लंबी सैर कर सकते हैं। हल्का व्यायाम कर सकते हैं तथा योगासन कर सकते हैं।
   (ग) ब्रिगेडियर साहब यह इसलिए नहीं मानते, क्योंकि हर आदमी कोई-न-कोई काम अवश्य करता है, और काम करते हुए भी खेलने के लिए समय निकाला ही जा सकता है।

(घ) इस पाठ के माध्यम से संदेश दिया गया है कि हमें अपने शरीर को हर आयु में स्वस्थ रखना चाहिए, क्योंकि शरीर स्वस्थ होगा तभी हम अपने प्रत्येक कर्त्तव्य का निर्वाह कर पाएँगे। जीवन के सुख भोग पाएँगे।

3. (क) नियमित रूप से (ख) समय के अनुसार (ग) लंबी सैर, खेलना
(घ) खेलने (ङ) स्वस्थ, व्यायाम

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

2.

पड़ोस	–	पड़ोसी	नियम	–	नियमित
फुरती	–	फुरतीला	स्वभाव	–	स्वाभाविक
सुविधा	–	सुविधाएँ	कसरत	–	कसरती
सफल	–	सफलता	सम्मान	–	सम्मानपूर्वक

सोचिए और बताइए Think & Tell

इनका उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर (ख) ☑ दशहरे की छुट्टियों में
(ग) ☑ समय विभाजन तालिका बनाकर (घ) ☑ उनकी बेटी

2. (क) ब्रिगेडियर साहब नियमित रूप से खेलने वाले खिलाड़ी थे।
(ख) ब्रिगेडियर साहब ने बताया कि वे बचपन से ही खिलाड़ी रहे हैं। खेलों को भी उन्होंने उतना ही महत्त्व दिया, जितना पढ़ाई को।
(ग) खेल का ब्रिगेडियर साहब के स्वास्थ्य पर यह असर हुआ कि वे सत्तर साल की आयु में भी युवा नज़र आ रहे थे।
(घ) लेखक ने ब्रिगेडियर साहब की बात पर सहमत होते हुए कहा कि – उनकी बात में दम था।

(ङ) लेखक की इस बात का ब्रिगेडियर साहब ने उत्तर दिया कि – वे उनकी बात से सहमत नहीं हैं।

3. (क) इसका तात्पर्य यह है कि ब्रिगेडियर साहब सत्तर साल की आयु में भी पच्चीस साल के युवा की भाँति थे।

(ख) इसका अर्थ है कि कोई-न-कोई व्यायाम अवश्य करें।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. निराशा, प्रशंसा, अतिथि, सौभाग्य, स्वाभाविक, राष्ट्रीय।

5.

आशा	x	निराशा	सरदी	x	गरमी
रात	x	दिन	सहज	x	असहज
बूढ़ा	x	जवान	दुश्मनी	x	दोस्ती
होश	x	बेहोश	दुर्भाग्य	x	सौभाग्य

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 4 : काबुलीवाला

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• वात्सल्य • दया भाव • सहयोग • सहायता

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? क्यों कहा?
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, निपात, शब्द रचना, वाक्य रचना, विशेषण

चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	अनुमान, कारण, परिणाम, कार्य-कारण संबंध, संदेश, आशय
रचनात्मक कार्य Art Integration	चार्ट पेपर पर कविता लिखना, जानकारी प्राप्त करके कक्षा में बताना, यू-ट्यूब पर काबुलीवाला फ़िल्म देखना, चर्चा करना
जीवन मूल्य Values	दया भाव, सहयोग एवं वात्सल्य
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा रचित कहानी 'काबुलीवाला' का संक्षिप्त रूप है। लेखक की पाँच वर्ष की बेटी मिनी बातूनी स्वभाव की है और हर समय कुछ-न-कुछ बोलती ही रहती है। एक दिन वह अपने पिता से बोली कि रामदयाल दरबान 'काक' को 'कौआ' कहता है। वह कुछ नहीं जानता है! है ना? इस तरह वह कई बातें कहती। लेखक का घर सड़क के किनारे था। एक दिन मिनी ने एक काबुलीवाले को देखकर उसे आवाज़ लगा दी। जब वह आया तो मिनी डरकर भीतर भाग गई। उसे लगता था कि काबुलीवाला अपनी झोली में बच्चों को पकड़कर ले जाता है। लेखक ने मिनी का डर दूर करने के लिए उसे बुला लिया। काबुलीवाले ने जब मिनी को किशमिश-बादाम देने चाहे तो वह अपने पिता के घुटनों से चिपट गई। एक दिन लेखक ने देखा कि मिनी काबुलीवाले से हँस-हँसकर बातें कर रही है और उसकी झोली किशमिश-बादाम से भरी हुई है। इस तरह मिनी काबुलीवाले से खूब बातें करती। एक दिन छुरा मारने के अपराध में काबुलीवाले को कई सालों की सज़ा हो गई। सज़ा पूरी करने के बाद काबुलीवाला जेल से छूटकर सीधा लेखक के घर गया। उस दिन मिनी का विवाह था। काबुलीवाले ने लेखक से कहा कि वह मिनी के लिए मेवा लाया है और उसे देना चाहता है। पहले तो लेखक ने मना किया पर जब काबुलीवाले ने बताया कि उसकी भी मिनी की आयु की एक बेटी है और कागज़ पर ली गई उसके छोटे-से हाथ की छाप के सहारे, वह इतनी दूर मेवा बेचने आता है, तो लेखक का दिल भर आया। उन्होंने तुरंत मिनी को बुलवा लिया। विवाह की पूरी पोशाक पहने हुए, शरम से सिकुड़ी हुई मिनी लेखक के पास आकर खड़ी हो गई। पर वह काबुलीवाले को पहचान न सकी। उसके जाने के बाद काबुलीवाला एक गहरी साँस लेकर ज़मीन पर बैठ गया। वह समझ गया था कि उसकी बेटी भी बड़ी हो गई होगी। इतने वर्षों में उसका क्या हुआ होगा, कौन जाने! यह देखकर

लेखक ने कुछ रुपये निकालकर काबुलीवाले के हाथ में रख दिए और कहा कि वह अपनी बेटी के पास अपने देश चला जाए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कहानी में मेवों की बात आई है। मेवे किन्हें कहते हैं, ये बताएँ। किशमिश, काजू, बादाम, छुआरे, पिस्ता आदि नाम बताएँ। यह भी बताएँ कि ये स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छे होते हैं। उन्हें कौन-कौन से मेवे पसंद हैं, इस विषय पर चर्चा करें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब कहानी पढ़कर सुना दें। कहानी पढ़कर समझ आता है कि काबुलीवाला मिनी को अपनी बेटी की तरह ही प्यार करता था। उसमें दया भाव भी था। उसका यह स्वभाव कैसा था? काबुलीवाले के स्वभाव के विषय में चर्चा करें। इसके बाद लेखक के स्वभाव के बारे में भी चर्चा करें। उनसे पूछें किस बात से पता लगता है कि लेखक में भी दया भाव था। यदि किसी विद्यार्थी का कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर शब्द-अर्थ भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब दया भाव का महत्त्व समझाएँ। बताएँ कि दूसरों का भला करना अच्छी बात होती है। हमें अपने साथ-साथ दूसरों के सुख-दुख के बारे में भी सोचना चाहिए।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **रहमत कहाँ का रहने वाला था?**
     ☐ **कलकत्ता** ☐ **काबुल** ☐ **दिल्ली**
10. श्यामपट्ट पर **विशेषण और विशेष्य** शब्द लिखकर विद्यार्थियों को उनके बारे में समझाएँ। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त भी कुछ उदाहरण दें।
11. श्यामपट्ट पर लिखकर समझाएँ कि वाक्यों का क्रम सही होने पर ही वे सार्थक होते हैं और हमें उनका स्पष्ट अर्थ समझ आता है।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि लेखक

रहमत को अपने देश लौटने के लिए पैसे न देता तो क्या होता? यदि रहमत के घरवाले उसे ढूँढ़ते हुए कलकत्ता आ जाते तो क्या होता?

13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) लेखक की बेटी से बिना बोले नहीं रहा जाता – यह इस बात से पता चलता है कि वह अपने पिता को रामदयाल दरबान की बातें बिना रुके एक के बाद एक बताए जा रही थी।
   (ख) लेखक ने मिनी का काबुलीवाले के प्रति डर दूर करने के लिए उसको बुलवा लिया।
   (ग) रहमत पर एक आदमी को छुरा मारने का इल्ज़ाम था, इसलिए उसको पुलिस पकड़कर ले जा रही थी।
   (घ) विवाह वाले दिन लेखक रहमत को मिनी से इसलिए नहीं मिलने देना चाहते थे क्योंकि विवाह कार्य होने से पहले मिनी को एक कैदी से मिलवाना लेखक ने पहले उचित नहीं समझा।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) पाँच वर्ष की (ख) बादाम और किशमिश से

(ग) दो सिपाहियों ने (घ) मिनी का विवाह हो रहा था।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी इन शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) मिनी के मन में यह बात बैठ गई थी कि काबुलीवाले की झोली में ढूँढ़ने पर उसके जैसे दो-चार बच्चे और मिल सकते हैं। उसको डर था कि काबुलीवाले बच्चों को पकड़कर ले जाते हैं।
   (ख) काबुलीवाला प्रतिदिन मिनी से मिलने आता और मिनी को किशमिश-बादाम देता था। दोनों में बहुत सारी बातें होतीं और दोनों खूब हँसते थे। इस प्रकार काबुलीवाले ने मिनी के छोटे-से हृदय पर अधिकार जमा लिया था।
   (ग) मिनी और काबुलीवाले में खूब बातें होती थीं और दोनों खूब हँसते थे। रहमत मिनी से पूछता, "तुम ससुराल कब जाओगे?" इसके उत्तर में मिनी काबुलीवाले से पूछती, "तुम ससुराल कब जाओगे?" तब रहमत मोटा घूँसा तानकर कहता, "हम ससुर को मारेगा।" इसी बात पर मिनी खूब हँसती थी।
   (घ) रहमत से एक आदमी ने एक चादर खरीदी थी। उसके कुछ रुपये आदमी पर बकाया थे, जिन्हें देने से उस आदमी ने मना कर दिया। इसी बात पर दोनों में झगड़ा हो गया और काबुलीवाले ने उसको छुरा मार दिया।
   (ङ) लेखक को जब यह पता चला कि काबुलीवाला मिनी में अपनी बेटी को देखता था, जिसके नन्हे हाथों के पंजे की छाप एक कागज़ पर लिए वह छाती से लगा घूमता था, तब लेखक का मन पिघल गया और वे विवाह की पोशाक में ही मिनी को बुलाने के लिए विवश हो गए।
3. (क) मिनी ने लेखक से
   (ख) मिनी ने काबुलीवाले से
   (ग) काबुलीवाले ने लेखक से
   (घ) लेखक ने काबुलीवाले से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. • **क्षण-भर** प्रतीक्षा करो, मैं अभी आई।
   • **दिन-भर** काम करने बाद महेश मीठी नींद सोता है।
   • हमें **जीवन-भर** अपने कर्त्तव्यों का पालन करना चाहिए।
   • **दुनिया-भर** में आज भारत का बोलबाला है।
2. (ख) काबुलीवाले ने मुस्कुराते हुए मुझे सलाम किया।
   (ग) आज घर में एक ज़रूरी काम है।
   (घ) मैं यहाँ सौदा बेचने नहीं आता।

3.

ज़ोरदार	–	घूँसा	**सुंदर**	–	मुँह
काला	–	कौआ	**तेज़**	–	शोर
चंचल	–	बच्चे	**सफ़ेद**	–	कागज़
दयालु	–	काबुलीवाला	**रंगीन**	–	पोशाक

सोचिए और बताइए Think & Tell
सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values
विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension
बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) सड़क के पास
   (ख) काबुलीवाले को
   (ग) रहमत काबुलीवाले को
   (घ) नन्हें हाथ के एक पंजे की छाप
2. (क) लेखक की बेटी मिनी पाँच वर्ष की है। वह बहुत बातूनी है। वह मिलनसार भी है, क्योंकि बहुत जल्दी ही वह काबुलीवाले से बातें करने लगी थी।
   (ख) काबुलीवाले का कद लंबा था। उसने कंधे पर मेवों की झोली लटकाई हुई थी। उसके हाथ में अंगूर की पिटारी थी।
   (ग) मिनी को डर इसलिए लगा कि कहीं काबुलीवाला उसे पकड़कर न ले जाए। उसके मन में यह बात बैठ गई थी कि काबुलीवाले की झोली में उसके जैसे दो-चार और बच्चे मिल सकते हैं।
   (घ) रहमत जब कई वर्षों के बाद लेखक के घर आया तब वह समझ रहा था कि मिनी अब भी वैसी ही बच्ची होगी। वह पहले की तरह ही दौड़कर उसके पास आ जाएगी।
   (ङ) लेखक ने रहमत को अपने घर लौटने के लिए इसलिए कहा, क्योंकि अब उसकी बेटी भी लेखक की बेटी जितनी ही बड़ी हो गई होगी। वह अपने

पिता की प्रतीक्षा कर रही होगी। इतने वर्षों में उसका क्या हुआ होगा, कौन जाने!

3. (क) झोली, पिटारी, लंबा-सा, सड़क।
   (ख) प्रतिदिन, किशमिश, हृदय, अधिकार।
   (ग) मिनी, विवाह, गहने, शरम।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4.

लड़की	–	स्त्रीलिंग	सिपाही	–	पुल्लिंग
कौआ	–	पुल्लिंग	मकान	–	पुल्लिंग
हाथी	–	पुल्लिंग	ससुर	–	पुल्लिंग
सास	–	स्त्रीलिंग	आदमी	–	पुल्लिंग
आकाश	–	पुल्लिंग	चादर	–	स्त्रीलिंग

5. सुबह, अंतरिक्ष, शाम, धारा, राज्य, स्त्री।

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 5 : मधुर वचन

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• सच्चाई • ईमानदारी • मीठी वाणी का महत्त्व • सद्‌गुणों का महत्त्व

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	पद्‌य/दोहे
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, दिए गए अर्थ से संबंधित दोहे लिखना

भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, तत्सम-तद्भव शब्द, विशेषण-विशेष्य
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कार्य-कारण संबंध, कारण, संदेश, आशय
रचनात्मक कार्य Art Integration	बाल सभा में दोहे सुनाना, दोहों का संकलन करना, चार्ट पेपर पर दोहे लिखना
जीवन मूल्य Values	मीठी वाणी का महत्त्व
डिजिटल Digital	दोहों का ऑडियो, दोहों का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

दोहों का सारांश Summary

इन दोहों में मधुर वचन अथवा मीठी वाणी के महत्त्व को बताया गया है। ये दोहे कबीर, रहीम और तुलसीदास जी द्वारा रचित हैं। **पहले दोहे** में बताया गया है कि हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जिससे हमें तो संतुष्टि मिले ही, साथ ही सुनने वाले का मन भी प्रसन्न हो जाए। दूसरे दोहे में बताया गया है कि मीठा बोलने से धनवान होने का घमंड उसी प्रकार मिट जाता है, जिस प्रकार उबलते हुए दूध में पानी का छींटा डालने से उसका उफ़ान नीचे बैठ जाता है। **तीसरे दोहे में** बताया गया है कि हमें कोई भी बात अपने हृदय रूपी तराज़ू में तोलकर ही बोलनी चाहिए अर्थात् बहुत सोच-समझकर बोलनी चाहिए। **चौथे दोहे में** बताया गया है कि बोली हमारे कानों के रास्ते से होती हुई, हमारे शरीर में जाती है। हमारे शरीर पर वह अपने गुण के अनुसार ही असर करेगी। बोली यदि मीठी है तो वह हमारे शरीर के लिए औषधि के समान गुणकारी होगी और यदि कड़वी होगी तो तीर के समान घाव देने वाली होगी। **पाँचवें दोहे में** बताया गया है कि मीठे वचनों से चारों ओर सुख उत्पन्न होता है। मीठे वचन वशीकरण मंत्र के समान होते हैं। अत: हमें कठोर वचनों का परित्याग कर देना चाहिए। **छठे दोहे में** बताया गया है कि जिस प्रकार खीरे का मुख क्योंकि कड़वा होता है, अत: उसका कड़वापन दूर करने के लिए उसे काटकर उसपर नमक लगाकर मला जाता है। जो मुख सदैव कड़वा ही बोलता है, वह मुख सज़ा का अधिकारी है। **सातवें दोहे में** बताया गया है कि अधिकता हर चीज़ की बुरी होती है। अधिक बोलना भी अच्छा नहीं होता और अधिक चुप रहना भी अच्छा नहीं होता। यह उसी प्रकार है, जिस प्रकार अधिक वर्षा भी अच्छी नहीं होती और अधिक धूप भी अच्छी नहीं होती। **आठवें दोहे में** बताया गया है कि सत्य बोलने के समान कोई तपस्या नहीं है और झूठ से बड़ा कोई पाप नहीं है। जो सदैव सत्य बोलता है, उसके हृदय में साक्षात् ईश्वर निवास करते हैं।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ आचरण से संबंधित है। मीठा अथवा मधुर बोलना आचरण के अंतर्गत ही आता है। विद्यार्थियों को मीठी वाणी का महत्त्व समझाएँ। बताएँ कि जो लोग मीठा बोलते हैं, उन्हें सब लोग पसंद करते हैं। पूछें कि जब कोई उनसे कड़वा बोलता है तो उनको कैसा लगता है? कड़वी बोली किसी को क्यों नहीं अच्छी लगती? इस संबंध में चर्चा करें। विद्यार्थियों के विचार भी जानें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **दोहे पढ़कर** सुना दें। सभी दोहे मीठी वाणी पर ही आधारित हैं। कोई उदाहरण देकर दोहों की प्रतिपादिता सिद्ध करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर शब्द-अर्थ भी दिखा दें।
5. अब आप **दोहे पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें दोहे कंठस्थ हो जाएँगे।
6. अब फिर से मीठी वाणी का महत्त्व समझाएँ। बताएँ कि सबसे मीठा बोलना अच्छी बात होती है। हमें परिवार में या मित्रों से ही नहीं, अपितु अंजान लोगों से भी मीठा (मधुर) बोलना चाहिए।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **अधिक धन का अभिमान कैसे वचनों से मिट जाता है?**
     ☐ कड़वे ☐ साधारण ☐ मीठे
9. श्यामपट्ट पर **तत्सम और तद्भव** शब्द लिखकर विद्यार्थियों को उनके बारे में समझाएँ। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त भी कुछ उदाहरण दें।
10. **विशेषण और विशेष्य** शब्दों को पूर्व की भांति पढ़ाएँ।
11. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि जीवन में हर रूप में सफल व्यक्ति यदि कड़वा बोलता है तो क्या उसे सही अर्थों में सफल माना जाएगा?
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही लिखित प्रश्नों पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।

13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) मधुर वचन से धनवान होने का अभिमान मिट जाता है।
   (ख) खीरे का उदाहरण देकर कबीर ने यह समझाया है कि हमेशा मीठा बोलना चाहिए क्योंकि कड़वा बोलने वाले को कोई पसंद नहीं करता जैसे कि कड़वा खीरा नहीं खाया जाता।
   (ग) तुलसीदास ने कठोर और कड़वे वचन को त्यागने की बात कही है।
   (घ) ईश्वर सच्चे इंसान के हृदय में वास करते हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) मीठी (ख) अभिमान (ग) औषधि (घ) सुख मिलता है।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) मीठी वाणी में ऐसी शक्ति होती है कि उसको बोलने से न केवल बोलने वाले का मन शीतल होता है बल्कि सुनने वाले को भी शीतलता मिलती है। जिस प्रकार दूध में उफ़ान आने पर थोड़ा ठंडा पानी उसको ठंडा कर देता है, उसी प्रकार मीठी वाणी सुनकर गुस्सा करने वाले का गुस्सा शांत हो जाता है।
   (ख) आवश्यकता से अधिक हर चीज़ हमारे शरीर और हमारे मन के लिए नुकसानदेह होती है। आवश्यकता से अधिक बोलने से बात की गंभीरता नष्ट हो जाती है

और अत्यधिक चुप रहने वाला अन्याय, असत्यता, आदि सामाजिक बुराइयों को भी सहन करता है, जो गलत है। आवश्यकता से अधिक धूप से सूखा पड़ जाता है तो आवश्यकता से अधिक बारिश से बाढ़ आ जाती है।

(ग) बोली को अमोल इसलिए कहा गया है क्योंकि एकमात्र यह ऐसा धन है जो एक बार मुँह से निकल जाए तो वापिस नहीं आता। इसलिए कवि इस अमोल धन को बहुत नाप-तोलकर, सोच-समझकर व्यय करने को कहते हैं अर्थात् हमेशा सोच-समझकर बोलना चाहिए।

(घ) इसका यह अर्थ है हमें हर बात को कहने से पहले अपने हृदय रूपी तराजू में तोल लेना चाहिए कि वह बात बोली जानी चाहिए या नहीं, कहीं उस बात से किसी को कष्ट तो नहीं पहुँचेगा। उस बात को कहने के लाभ और हानि, यह सब कुछ जाँचकर ही हमें कोई बात कहनी चाहिए।

3. (क) औरन को शीतल करै, आपहु सीतल होय।।

(ख) जाके हिरदय साँच है, ताके हिरदय आप।।

(ग) मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. विद्यार्थी इन शब्दों को पढ़कर अंतर को समझेंगे।

2.

कड़वा	खीरा	**मीठी**	बोली
उत्तम	स्थान	**शीतल**	जल
अनमोल	वचन	**मधुर**	वाणी

सोचिए और बताइए Think & Tell

सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) बोली को।

(ख) कड़वी वाणी को।

(ग) सच और झूठ की।

2. (क) मधुर वचनों को औषधि के समान और कटु वचनों को तीर के समान कहा गया है।

(ख) कबीरदास जी ने ऐसी वाणी बोलने के लिए कहा है, जिसे सुनकर दूसरों को भी सुख मिले और स्वयं हम भी प्रसन्न हों।

(ग) रहीम जी के अनुसार कड़वे वचन बोलने वाले को वही सज़ा मिलनी चाहिए, जो कड़वे खीरे को मिलती है। यानि कड़वे वचन बोलने वाले को कोई नहीं चाहता।

3. इस दोहे में कहा गया है कि हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए, जो अहंकार रहित और मधुर हो; जिसे सुनकर दूसरों को सुख मिले और स्वयं हम भी प्रसन्न हों।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4.

बानी	–	वाणी	हिय	–	हृदय
औरन	–	और	बसीकरण	–	वशीकरण
सीतल	–	शीतल	चूप	–	चुप
करै	–	करे	लोन	–	नमक
बचन	–	वचन	करुवे	–	कड़वे
मुखन	–	मुख	चहिए	–	चाहिए

5.

आपा	–	अहंकार	बोलै	–	बोलिए	सौ	–	से
खोय	–	छोड़कर	जानि	–	जानता है	परिहरु	–	त्याग दो, छोड़ दो
औरन	–	और	तौलिकै	–	तोलकर	चहुँ	–	चारों
आपहु	–	स्वयं	हिय	–	हृदय	लोन	–	नमक

6. दवा, घमंड, ठंडा, अधिक, नीर, मन।

रचनात्मक कार्य Creative Work

7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

8. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 6 : रानी सारंध्रा की वीरता

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• वीरता • देश प्रेम • नारी शक्ति • अन्याय का विरोध

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	ऐतिहासिक कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विशेषण-विशेष्य, मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग, कर्ता-क्रिया की पहचान
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कारण, चरित्र-चित्रण, कार्य-कारण संबंध, परिणाम, अनुमान, कल्पना
रचनात्मक कार्य Art Integration	संवाद बोलना, अभिनय, प्रोजेक्ट कार्य, अन्य वीरांगनाओं की जानकारी प्राप्त करके कक्षा में बताना
जीवन कौशल Life Skills	आत्म-सम्मान के साथ जीना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

ओरछा राज्य के राजा थे चम्पत राय। उनकी पत्नी रानी सारंध्रा और पुत्र छत्रसाल की वीरता के किस्से आज भी मशहूर हैं। एक बार औरंगज़ेब के सेनापति बहादुर खाँ की नज़र ओरछा नरेश के घोड़े पर पड़ गई। अब वह इसी ताक में रहता कि किसी तरह वह घोड़ा उसे

मिल जाए। एक दिन पंद्रह-सोलह वर्षीय राजकुमार छत्रसाल उसी घोड़े पर घूमने निकला। वह अपने साथियों से बिछुड़ गया और भटक कर राज्य की सीमा तक पहुँच गया। न जाने कहाँ से बहादुर खाँ अपने सैनिकों के साथ वहाँ आया और उससे घोड़ा छीनकर ले गया। बालक छत्रसाल ज़्यादा देर तक उनका मुकाबला नहीं कर पाया। महल में लौटकर राजकुमार ने क्रोध करते हुए अपनी माँ रानी सारंध्रा को सारी बात बताई। माँ ने उसे क्रोध शांत करने को कहा। उसे राज्य का काम सौंपकर वे स्वयं घोड़ा वापस लाने चल दीं। वे चुने हुए कुछ वीर सैनिकों के साथ दनदनाती हुई औरंगज़ेब के दरबार में पहुँच गईं और गरजते हुए उन्होंने बहादुर खाँ की करतूत बताई। न चाहते हुए भी औरंगज़ेब को घोड़ा लौटाना पड़ा। रानी गर्व से घोड़ा वापस ले आईं। वे जानती थीं कि अब युद्ध होगा। अतः उन्होंने पहले से ही युद्ध की तैयारियाँ कर लीं। युद्ध में मुगल सेना बुरी तरह हार गई और मैदान छोड़ कर भाग खड़ी हुई।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी एक वीरांगना की वीरता पर आधारित है। हमारे देश में बहुत सारी वीरांगनाएँ हुई हैं – रानी लक्ष्मीबाई, रानी चेन्नमा, आदि। उनके विषय में संक्षेप में बताएँ। फिर उनसे पूछें कि वे इन स्त्रियों के विषय में क्या जानते हैं। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पढ़कर कहानी सुना दें। कहानी पढ़कर समझ आता है कि रानी सारंध्रा बहुत ही निडर स्वभाव की थीं। क्या यह अच्छी बात है? यह बात उनसे पूछें और इस विषय पर उनके विचार जानें। आधुनिक महिलाओं - कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स – के विषय में भी बातें करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर शब्द-अर्थ भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. समाज कल्याण और विज्ञान के क्षेत्र में स्त्रियों के योगदान के महत्त्व को समझाएँ। विद्यार्थियों के विचार भी जानें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **रानी सारंध्रा किस राज्य की रानी थी?**
     ☐ **रणथम्भौर** ☐ **ओरछा** ☐ **दिल्ली**

10. श्यामपट्ट पर **विशेषण और विशेष्य** शब्द लिखकर विद्यार्थियों को उनके बारे में समझाएँ। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त भी कुछ उदाहरण दें। इसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्न** हल करवाएँ।
11. **मुहावरों** को श्यामपट्ट पर लिखकर वाक्य में प्रयोग करके समझाएँ। **कर्ता और क्रिया** भी श्यामपट्ट पर लिख कर समझाएँ। अतिरिक्त उदाहरण भी दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि बालक छत्रसाल स्वयं घोड़ा वापस लेने जाता तो क्या परिणाम हो सकता था?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) ओरछा राज्य की रानी का नाम सारंध्रा था।
   (ख) छत्रसाल से उनका घोड़ा औरंगज़ेब के सेनापति बहादुर खाँ ने छीन लिया था।
   (ग) बादशाह के दरबार में जाकर रानी ने औरंगज़ेब को गरजकर कहा, "क्या यही आपकी बहादुरी और न्याय है कि आपके सेनापति किसी के राज्य में घुसकर बालकों से कुछ भी छीनकर ले आएँ?"
   (घ) औरंगज़ेब ने बहादुर खाँ को डाँटते हुए कहा, "इनका घोड़ा अभी लौटाओ और आगे से ऐसी गलती न हो।"

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) चम्पत राय (ख) औरंगज़ेब का सेनापति

(ग) उसका घोड़ा (घ) छत्रसाल अभी बच्चा था।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी इन शब्दों को सुनकर स्वयं इनको लिखेंगे।
2. (क) बहादुर खाँ ने जब से ओरछा नरेश के घोड़े को देखा था तब से उसको चैन नहीं था। मौका देखकर एक बार राजकुमार छत्रसाल को, जो कि उस घोड़े की सवारी कर रहा था, बहादुर खाँ ने घेर लिया। किशोर छत्रसाल उस समय लाचार हो गए और बहादुर खाँ वह घोड़ा छीन ले गया।

   (ख) छत्रसाल किशोर थे परंतु फिर भी जिस तरह बहादुर खाँ ने उनको अकेला पाकर उनसे घोड़ा छीन लिया था, उससे छत्रसाल ने खुद को अपमानित महसूस किया। इसीलिए जब वह महल में पहुँचा तब अपमान के कारण उसके होंठ क्रोध से काँप रहे थे।

   (ग) औरंगज़ेब को घोड़ा इसलिए लौटाना पडा क्योंकि उसको लेने ओरछा की रानी सारंध्रा स्वयं उसके दरबार में पहुँच गई थीं। यह औरंगज़ेब के लिए अप्रत्याशित था। अपनी झेंप मिटाने के लिए उसने घोड़ा लौटा दिया।

   (घ) जब रानी घोड़ा वापस ले आईं, तब औरंगज़ेब एक स्त्री से अपमानित होना सहन नहीं कर पाए और उन्होंने ओरछा राज्य पर आक्रमण कर दिया। इसके लिए रानी सारंध्रा पहले से ही तैयार थीं। उन्होंने युद्ध में डटकर उनका सामना किया और औरंगज़ेब की सेना को हरा दिया।

   (ङ) रानी सारंध्रा प्राचीन भारत की वीरांगनाओं में से एक थीं। उन्होंने छत्रसाल को अपने क्रोध पर काबू पाने के लिए कहकर अपनी माँ के ममत्व का परिचय दिया तो औरंगज़ेब के दरबार में स्वयं जाकर घोड़ा वापस लेकर आने में अपनी निडरता, आत्मसम्मान की भावना का परिचय दिया। वे एक कुशल योद्धा भी थीं जिन्होंने मुगल सेना को भी युद्ध में हरा दिया।
3. (क) रानी सारंध्रा, छत्रसाल

   (ख) बहादुर खाँ, घोड़ा

   (ग) वीर सैनिकों

   (ग) गर्व

   (घ) सूझ-बूझ, छक्के छुड़ा दिए।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. राजा ☑ न्यायप्रिय

घोड़ा ☑ शानदार
बालक ☑ वीर
सेनापति ☑ बहादुर
सैनिक ☑ वीर

2. • भूख लगने पर शेर अपने शिकार की **ताक में रहता** है।
   • अपने अपमान का बदला लेने के लिए छत्रसाल की **भुजाएँ फड़कने लगीं**।
   • युद्ध में हराकर रानी सारंध्रा ने औरंगज़ेब को **सबक सिखाया**।
   • रानी सारंध्रा के घोड़ा वापस ले जाने पर औरेगज़ेब केवल **दाँत पीसकर रह गया**।
   • शिवाजी ने कई बार औरंगज़ेब के **छक्के छुड़ा दिए थे**।

3. (क) (बहादुर खाँ) (घोड़ा) **देखा**।
   (ख) (सैनिकों) (छत्रसाल) **घेर लिया**।
   (ग) (बहादुर खाँ) (राजकुमार) (घोड़ा) **छीन लिया**।
   (घ) (छत्रसाल) (माँ) (घटना) **बताई**।
   (ङ) (मुगल सेना) (मैदान) **भाग गई**।

सोचिए और बताइए Think & Tell
सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs
1. (क) बहादुर खाँ
   (ख) मंत्री की सहायता से
   (ग) औरंगज़ेब से
   (घ) गलती मानकर सिर झुका लिया।

2. (क) बहादुर खाँ को कोई चीज़ पसंद आ जाती थी तो वह उसे प्राप्त करके ही रहता था।
   (ख) छत्रसाल को अकेला देखकर बहादुर खाँ ने उससे उसका घोड़ा छीन लिया।
   (ग) छत्रसाल ने अपनी माँ से आज्ञा मांगी कि वह सेना लेकर जाए और बहादुर खाँ को सबक सिखाए।
   (घ) रानी सारंध्रा को पता था कि औरंगज़ेब एक स्त्री से अपमान सह कर चुप नहीं बैठेगा। वह हमला अवश्य करेगा। उन्होंने पहले से ही इसकी तैयारी कर ली थी। इसी कारण युद्ध में उनकी विजय हुई।
3. (क) यह रानी सारंध्रा ने कहा। इसलिए कहा क्योंकि अभी राजा राज्य में नहीं थे और युद्ध की कोई तैयारी भी नहीं थी।
   (ख) यह रानी सारंध्रा ने कहा। इसलिए कहा क्योंकि बहादुर खाँ एक बच्चे से उसका घोड़ा छीन कर ले आया था।
   (ग) यह औरंगज़ेब ने कहा। इसलिए कहा क्योंकि बहादुर खाँ ने अपनी गलती मान ली थी।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. शानदार घोड़ा – वीरांगना सारंध्रा
   विशाल राज्य – वीर छत्रसाल
   कुछ सिपाही – कायर बहादुर खाँ
   किशोर बालक – क्रोधित औरंगज़ेब
5. इन मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 7 : हमारा सौरमंडल

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • वैज्ञानिक सोच का विकास • चाँद-तारों से संबंधित जानकारी • अंध-विश्वासों पर भरोसा न करना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	विज्ञान-लेख
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, विराम चिह्न
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	अनुमान, परिणाम, वर्णन, चरित्र-चित्रण, कल्पना, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	विभिन्न तारामंडलों के बारे में जानकारी प्राप्त करना, तारामंडलों के चित्र बनाना, चार्ट पेपर पर सौरमंडल का चित्र बनाना
जीवन कौशल Life Skills	वैज्ञानिक सोच का विकास
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह बहुत ही रोचक पाठ है। इसमें हमारे सौरमंडल की जानकारी दी गई है। हम सब सौरमंडल के विषय में जानने के लिए बहुत ही उत्सुक रहते हैं। महान वैज्ञानिक गैलीलियो को भी चाँद-तारों के विषय में जानने की बहुत इच्छा रहती थी। इसलिए उन्होंने एक बड़ी दूरबीन बनाई और चाँद-तारों के विषय में बहुत कुछ बताया। अंतरिक्ष में हमारा ग्रह पृथ्वी

है। पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है, जहाँ जीवन है। सूर्य गरम गैसों का विशाल तारा है, जो प्रकाश और ऊष्मा देता है। पृथ्वी और अन्य ग्रह इसकी परिक्रमा करते हैं। पृथ्वी 365 दिन में इसकी एक परिक्रमा पूरी करती है, जिसे एक वर्ष कहते हैं। पृथ्वी अपनी धुरी पर भी घूमती रहती है, जिसके कारण दिन-रात होते हैं। हमारे सौरमंडल में कुल आठ ग्रह हैं– बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण (यूरेनस), और वरुण (नेपच्यून)। सूर्य के सबसे निकट बुध ग्रह है, और सबसे दूर नेपच्यून। सबसे गरम शुक्र ग्रह है और सबसे ठंडा नेपच्यून। मंगल को लाल ग्रह भी कहा जाता है। सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति है। यह इतना बड़ा है कि इसमें पृथ्वी के आकार के 1,321 ग्रह समा सकते हैं। शनि ग्रह अपने छल्लों के लिए प्रसिद्ध है। चंद्रमा पृथ्वी की उसी तरह परिक्रमा करता है, जैसे पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। यह पृथ्वी से 2,39,000 मील दूर है। चाँद-तारों की यह दुनिया बड़ी ही दिलचस्प है!

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस पाठ में अंतरिक्ष और ग्रहों की बात आई है। अत: सबसे पहले भूमिका बनाते हुए भारतीय अंतरिक्ष विज्ञानी राकेश शर्मा तथा कल्पना चावला के विषय में बातें करें। उनके इस क्षेत्र में दिए गए योगदान के विषय में बताएँ। विद्यार्थियों से पूछें कि वे इनके बारे में क्या जानते हैं। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पाठ पढ़कर सुना दें।** पाठ में महान वैज्ञानिक गैलीलियो की बात आई है। विद्यार्थियों से पूछें कि कौन-कौन विज्ञान के क्षेत्र में जाना चाहता है और किस तरह के कार्य करना चाहता है। अन्य वैज्ञानिकों के विषय में भी बातें करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में प्राचीन भारतीय वैज्ञानिकों (आर्य भट्ट आदि) के योगदान के विषय में भी बताएँ।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **किस ग्रह पर सैकड़ों वर्षों से तूफ़ान बह रहा है?**
     ☐ मंगल ☐ शनि ☐ बृहस्पति
     (उत्तर होगा : बृहस्पति)

10. श्यामपट्ट पर **विलोम शब्द** लिखकर विद्यार्थियों को उनके बारे में समझाएँ। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त भी कुछ उदाहरण दें।
11. श्यामपट्ट पर **विराम चिह्नों की परिभाषा** लिख कर उनके विषय में समझाएँ। यह भी बताएँ कि विराम चिह्न का स्थान बदलने पर वाक्य का अर्थ बदल जाता है। जैसे– **रोको, मत जाने दो।**
रोको मत, जाने दो।
इन दोनों वाक्यों के अर्थ अलग-अलग हैं।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि पृथ्वी पर वायु और जल न होते तो क्या परिणाम हो सकता था?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) पृथ्वी एकमात्र ऐसा ग्रह है जिसपर जीवन है।
(ख) पृथ्वी को सूर्य का एक चक्कर पूरा करने में तीन सौ पैंसठ (365) दिन लगते हैं।
(ग) पृथ्वी सूर्य से 93 मिलियन मील की दूरी पर है।
(घ) सौरमंडल में सब कुछ सूर्य के चारों ओर घूमता है।
(ङ) शुक्र ग्रह का औसत तापमान 460 डिग्री सेल्सियस रहता है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) एक तारा (ख) सूर्य की (ग) एक वर्ष (घ) बृहस्पति में

लिखित Writing

1. विद्यार्थी इन शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) सौरमंडल में आठ ग्रह हैं– बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण, और वरुण।

   (ख) **सूर्य** – इस ब्रह्मांड का केंद्र सूर्य है। सभी ग्रह तथा पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमते हैं। सूर्य एक तारा है जो कि गरम गैसों का एक विशाल गोला है, जो प्रकाश और ऊष्मा देता है।

   पृथ्वी – पृथ्वी एकमात्र ऐसा ग्रह है, जिस पर जीवन है। पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करते हुए घूमती है। इसको पूरा करने में उसको 365 दिन लगते हैं। इसे **'एक वर्ष'** कहते हैं। पृथ्वी अपनी धुरी पर भी घूमती है जिसके कारण दिन और रात होते हैं।

   (ग) सौरमंडल में आठ ग्रह हैं– बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण तथा वरुण। ये सभी ग्रह सूर्य के चारों तरफ घूमते हैं। इन सबकी अपनी-अपनी विशेषताएँ हैं।

   सूर्य के सबसे निकट 'बुध' है तो सबसे दूर वाला ग्रह 'नेपच्यून' है। सबसे बड़ा ग्रह 'बृहस्पति' है तो सबसे छोटा ग्रह 'बुध' है। सबसे गरम ग्रह 'शुक्र' है तो सबसे ठंडा ग्रह 'नेपच्यून' है। मंगल ग्रह को 'लाल ग्रह' भी कहा जाता है।

   (घ) बृहस्पति ग्रह पर एक तूफ़ान बह रहा है जो सैकड़ों वर्षों से बह रहा है। इसी को 'ग्रेट रेड स्पॉट' कहा जाता है।

   (ङ) शनि ग्रह अपने चारों ओर बने छल्लों के लिए प्रसिद्ध है। ये छल्ले बर्फ़ के छोटे-छोटे टुकड़ों और धूल से बने हैं।

   (च) चंद्रमा चट्टान का एक गोला है, जो पृथ्वी के चारों ओर परिक्रमा करता है। चंद्रमा पृथ्वी से बहुत छोटा है तथा यह पृथ्वी से 2,39,000 मील दूर है। यह पृथ्वी की एक परिक्रमा पूरी करने में 28 दिनों का समय लेता है।

3. (क) बुध | (ख) नेप्च्यून
   (ग) बृहस्पति | (घ) बुध
   (ङ) शुक्र | (च) नेपच्यून

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. गलत x सही
   आकाश x पाताल

प्रकाश x अंधकार
ठंडा x गरम
निकट x दूर
छोटा x बड़ा

2. सौरमंडल में सब कुछ सूर्य के चारों ओर घूमता है। सौरमंडल में आठ ग्रह हैं– बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण और वरुण। ये सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करते रहते हैं। इन ग्रहों की अपनी विशेषताएँ हैं।

सोचिए और बताइए Think & Tell
सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) चाँद-तारों के बारे में।
   (ख) एक बड़ी दूरबीन।
   (ग) बृहस्पति ग्रह।
2. (क) गैलीलियो ने ग्रहों का अध्ययन दूरबीन और गणित के माध्यम से किया।
   (ख) जिस स्थान पर सूर्य के चारों ओर घूमने वाले ग्रह घूमते हैं, उस स्थान को सौरमंडल कहते हैं। सौरमंडल में कुल आठ ग्रह हैं – बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण (यूरेनस) और वरुण (नेपच्यून)।
   (ग) पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है, जिसपर जीवन है। यह सूर्य का एक चक्कर 365 दिन में पूरा करती है। इसे एक वर्ष कहते हैं। इसके अतिरिक्त यह अपनी धुरी पर भी घूमती है, जिससे दिन और रात होते हैं।
   (घ) पृथ्वी अपनी धुरी पर भी घूमती है। इस कारण दिन और रात होते हैं। पृथ्वी का जो भाग सूर्य के सामने होता है, वहाँ दिन और जो भाग सूर्य के सामने नहीं होता, वहाँ रात होती है।

3. (क) इसका तात्पर्य यह है कि तारों की दुनिया बहुत ही आकर्षक है। वे देखने में इतने सुंदर लगते हैं, कि सब उनके विषय में जानना चाहते हैं।
(ख) इसका तात्पर्य यह है कि अब हम चाँद-तारों की दुनिया के विषय में जान गए हैं। चाँद तारों की दुनिया सचमुच बहुत आकर्षक है।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. तारे, छोटे, टुकड़े, छल्ले।
बड़े, गैसें, चट्टानें, परिक्रमाएँ।
5. तथ्य, पृथ्वी, बृहस्पति, वैज्ञानिक, सौरमंडल। (यहाँ शुद्ध शब्द बता दिए गए हैं। इनका वाक्य में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।)

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 8 : दक्षिण भारत की सैर

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• देश प्रेम • भ्रमण का महत्त्व • भारतीय विरासत का सम्मान • अनेकता में एकता

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	पत्र
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विशेषण-विशेष्य (संज्ञा), समानार्थी शब्द, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग

चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, निष्कर्ष, अनुमान, परिणाम
रचनात्मक कार्य Art Integration	मानचित्र कार्य, पत्र-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करना
जीवन मूल्य Values	भारतीय विरासत का सम्मान
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पत्र अंजलि ने अपनी सखी रागिनी को पटना से लिखा है। अंजलि दक्षिण भारत की सैर के लिए गई थी। अपना वही यात्रा-वृत्तांत वह इस पत्र में लिख रही है। अंजलि लिखती है कि हैदराबाद में सबसे पहले उसने अपनी सहेलियों के साथ चूड़ियाँ और चाँदी के हलके-फुलके गहने खरीदे। उसके बाद उसने चारमीनार, सालारगंज संग्रहालय और गोलकुंडा का किला देखा। फिर उसने तंजौर का बृहदीश्वर शिव मंदिर देखा। तंजौर में ही सरस्वती महाल है जो हस्तलिखित प्राचीन ग्रन्थों का एक विशाल और दुर्लभ पुस्तकालय है। इसके बाद वह चेन्नई गई। वहाँ मरीन बीच जाकर वह बहुत खुश हुई। वहाँ उसने दक्षिण भारतीय व्यंजनों का भी आनंद लिया। इसके बाद उसने मदुरई का मीनाक्षी मंदिर देखा। वहाँ से वह मुंबई आ गई। वहाँ वह तीन दिन रुकी। वहाँ उसने गेट-वे ऑफ इंडिया, विक्टोरिया संग्रहालय, हैंगिंग गार्डन और एलीफेंटा की गुफाएँ देखीं। इस यात्रा से अंजलि की यह धारणा पक्की हो गई कि वेश-भूषा और खान-पान भले ही अलग-अलग हों पर इसके बाद भी सारा भारत एक ही है। हरे-भरे मैदान, पेड़-पौधे और पशु-पक्षी एक जैसे ही थे। सब लोग हिन्दी बोल और समझ सकते थे। हिन्दी सिनेमा और हिन्दी गाने भी वहाँ बहुत लोकप्रिय थे।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पत्र भ्रमण के विषय में है। अत: सबसे पहले भूमिका बनाते हुए भ्रमण का महत्त्व और उसके लाभ समझाएँ। विद्यार्थियों से उनके यात्रा अनुभव पूछें। आप भी अपने यात्रा अनुभव बताएँ। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पाठ पढ़कर** सुना दें। पाठ में दक्षिण भारत के कई स्थानों और उनकी विशेषताओं के बारे में बताया गया है। विद्यार्थियों से पूछें कि वे उन स्थानों पर क्या कभी गए है? क्या वे ऐसे ही किसी अन्य स्थान के बारे में बता सकते हैं, जो भ्रमण के लिए मशहूर हो पर पाठ में उसके बारे में न बताया गया हो।

3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पुस्तकालय से प्रसिद्ध लेखकों के यात्रा-वृत्तान्त पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **हैंडलूम का कपड़ा कहाँ सस्ता मिलता है?**

   ☐ **मदुरई में** ☐ **तंजौर में** ☐ **हैदराबाद में**
10. श्यामपट्ट पर संज्ञा शब्दों के विषय में समझाएँ। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त भी कुछ उदाहरण दें। इसके बाद अभ्यास कार्य दें।
11. संज्ञा शब्दों की भांति ही श्यामपट्ट पर **समानार्थी शब्द** समझाएँ। अन्य उदाहरण भी दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि भ्रमण के क्या-क्या लाभ होते हैं?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही लिखित प्रश्नों पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) हैदराबाद का चारमीनार बहुत प्रसिद्ध स्थल है।
   (ख) गोलकुंडा दुर्ग की यह विशेषता है कि उसके गुंबद के नीचे खड़े होकर यदि कोई ताली बजाए या कुछ बोले तो लगभग आधा किलोमीटर दूर खड़ा व्यक्ति सुन सकता है।
   (ग) मराठा शासकों ने तंजौर में सरस्वती महाल बनवाया था।
   (घ) मीनाक्षी मंदिर देवी मीनाक्षी का सुंदर मंदिर है। वहाँ से प्रसाद के रूप में मालाएँ और चंदन मिलता है। पत्र में बताया गया है वे मालाएँ तो सूख गईं परंतु चंदन सुरक्षित है। वहाँ का गोपुरम बहुत ऊँचा है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) हैदराबाद में (ख) तंजौर में (ग) मीनाक्षी मंदिर का (घ) मुंबई में

लिखित Writing

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) यह पत्र अंजलि अपनी सहेली रागिनी को 1 जनवरी को पटना से लिख रही है। इस पत्र में अंजलि रागिनी को अपने दक्षिण भारत की सैर के बारे में बता रही है।
   (ख) बृहदीश्वर मंदिर तंजौर शहर में स्थित है। तंजौर शहर मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। बृहदीश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इस मंदिर को चोलवंशीय राजाओं ने बनवाया था।
   (ग) तंजौर में एक स्थान है– सरस्वती महाल। यहाँ हस्तलिखित प्राचीन ग्रंथों का एक दुर्लभ और विशाल पुस्तकालय है। इसको मराठा शासकों ने बनवाया था।
   (घ) मीनाक्षी मंदिर मदुरई में स्थित है। यह मंदिर देवी मीनाक्षी को समर्पित है। मीनाक्षी मंदिर का 'गोपुरम' बहुत ऊँचा है तथा इस मंदिर की वास्तुकला अद्भुत है।
   (ङ) दक्षिण भारत की अपनी यात्रा से अंजलि की यह धारणा पक्की हो गई कि

भूगोल, भाषा, खान-पान और पहनावा भिन्न होते हुए भी सारा भारत एक है। अंजलि को हर जगह भिन्नता में भी एकता के दर्शन हुए।

3. (क) भूगोल, पहनावा, भारत
   (ख) भिन्नता, एकता
   (ग) भाषा, हिंदी
   (घ) भजन, सिनेमा, लोकप्रिय

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

प्रसिद्ध	दुर्ग	सुगंधित	चंदन
सुपाच्य	भोजन	हरे-भरे	मैदान
अद्भुत	बात	लोकप्रिय	गाने
हलका-फुलका	सामान	हस्तलिखित	ग्रंथ

2.

नाच	–	नृत्य		संध्या	–	शाम
कमरा	–	कक्ष		सागर	–	समुद्र
हैरान	–	आश्चर्य		दिवस	–	दिन
नगर	–	शहर		खुशबू	–	सुगंध

3.
- मैं **सैर** के लिए हम्पी जाऊँगी।
- मुंबई में शिवाजी की **विशाल** मूर्ति है।
- **दक्षिण** भारत के मंदिरों की वास्तुकला दर्शनीय है।
- मैसूर का 'मैसूर पाक' बहुत **प्रसिद्ध** मिठाई है।
- तंजौर की सुंदरता बहुत **आकर्षक** है।

सोचिए और बताइए Think & Tell

सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) दक्षिण भारत से
   (ख) कत्थक
   (ग) छोले-भटूरे
   (घ) गेटवे ऑफ इंडिया के पास
2. (क) सालारजंग संग्रहालय में बच्चों का कक्ष सबसे आकर्षक है।
   (ख) अंजलि के अनुसार उत्तर और दक्षिण भारत में एक जैसी नदियाँ, एक जैसे हरे-भरे मैदान, एक जैसी वनस्पति और एक जैसे पशु-पक्षी हैं।
   (ग) लगभग सभी लोग हिन्दी बोल और समझ लेते हैं। मीरा, सूर, कबीर के भजन और हिन्दी सिनेमा के लोकप्रिय गाने आम बात है।
3. (क) X, (ख) X, (ग) √, (घ) √, (ङ) √, (च) √, (छ) X

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4.

वर्ष	–	वार्षिक	परिवार	–	पारिवारिक
विश्व	–	वैश्विक	दिन	–	दैनिक
दर्शन	–	दार्शनिक	भूगोल	–	भौगोलिक
शब्द	–	शाब्दिक	नगर	–	नागरिक

5. यात्राएँ, दुकानें, चीज़ें, मीनारें, सुविधाएँ, विशेषताएँ, शुभकामनाएँ।
   तालियाँ, छुट्टियाँ, टहनियाँ, सहेलियाँ, ऊँचे, कपड़े, लड़के।

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 9 : गिरिधर की कुंडलियाँ

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• सद्‌विचार • सद्‌गुणों का महत्त्व • सोच-समझकर काम करना • धन का घमंड न करना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	पद/कुंडलिया
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, पंक्तियों का भाव बताना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, अनुस्वार तथा अनुनासिक, छंद
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, परिणाम, कार्य-कारण संबंध, वर्णन, आशय
रचनात्मक कार्य Art Integration	चार्ट पेपर पर कुंडलियों से संबंधित दोहे लिखना, इंटरनेट से अन्य कुंडलियाँ ढूँढ़कर कक्षा में सुनाना
जीवन कौशल Life Skills	सद्‌गुणों का महत्त्व समझना
डिजिटल Digital	कुंडलियों का ऑडियो, कुंडलियों का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कुंडलियों का सारांश Summary

इन कुंडलियों में नीति की बातें बताई गई हैं। ये बातें जीवन में उतार लेने पर स्वयं का तो भला होगा ही दूसरों का भला भी होगा। **पहली कुंडलिया** (पद) में कहा गया है कि हमें हर काम सोच-विचार कर ही करना चाहिए, अन्यथा काम तो बिगड़ेगा ही, लोगों की हँसी का पात्र बनते देर नहीं लगेगी। सिवाय पछताने के कोई चारा नहीं होगा। दूसरी कुंडलिया (पद) में कहा गया है कि धन अथवा दौलत आने पर अभिमान नहीं करना चाहिए क्योंकि

धन तो जल के समान चंचल होता है, कभी यहाँ तो कभी वहाँ! जैसे जल कभी एक जगह स्थिर नहीं होता, उसी प्रकार धन भी सदैव किसी एक के पास नहीं रहता है।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. सबसे पहले विद्यार्थियों को दोहे और कुंडलिया में अंतर समझाएँ। ये कुंडलियाँ आचरण से संबंधित हैं, अत: विद्यार्थियों से इस विषय में चर्चा करें। उन्हें बताएँ कि कोई भी काम करने से पहले हमें उसके अच्छे और बुरे परिणाम के बारे में विचार कर लेना चाहिए। पूछें, क्या सच में ऐसा करना सही होगा? इस विषय में उनके विचार जानें, चर्चा करें। फिर दूसरी कुंडलिया के विषय में चर्चा करें। उनके विचार जानें कि धन का अभिमान क्यों नहीं करना चाहिए। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब दोनों कुंडलियों को पढ़कर सुना दें। कुंडलियों में कही गई बात सही है यह प्रतिपादित करने के लिए कोई उदाहरण दें। फिर उसपर विद्यार्थियों के विचार जानें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कुंडलियाँ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें ये कंठस्थ हो जाएँगी।
6. इन **कुंडलियों के भाव** से मिलता-जुलता कोई **दोहा या छंद** सुना दें। इससे कुंडलियों का भाव विद्यार्थियों को और स्पष्ट हो जाएगा।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **कुंडलिया के अनुसार क्या चीज़ आ जाने पर अभिमान नहीं करना चाहिए?**
     ☐ **खाना-पीना** ☐ **धन-दौलत** ☐ **ज्ञान**
9. श्यामपट्ट पर **समानार्थी शब्द** समझाएँ।
10. बोलकर **अनुस्वार और अनुनासिक का अंतर** समझाएँ। श्यामपट्ट पर लिख कर दोनों में अंतर समझाएँ।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि हमें किसी भी चीज़ का अभिमान क्यों नहीं करना चाहिए?

12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) पाठ का नाम है 'गिरिधर की कुंडलियाँ' और कवि का नाम है– गिरिधर कविराय।
   (ख) सोच-विचारकर काम करने से उस काम में हमें सफलता प्राप्त होती है। उस काम का भला-बुरा फल हमें ज्ञात होता है, अतः हमें बाद में पछताना नहीं पड़ता।
   (ग) 'पाहुन निसि दिन चार' का अर्थ है चार दिन-रात के मेहमान अर्थात् बहुत कम समय रहने वाला। कवि यहाँ दौलत के विषय में हमें शिक्षा दे रहे हैं कि हमें दौलत पाकर अभिमान नहीं करना चाहिए क्योंकि वह किसी के पास अधिक दिन तक नहीं रहती, आज है तो कल नहीं है।
   (घ) इस पाठ का यह संदेश है कि हमें सर्वदा सोच-समझकर काम करने चाहिए तथा दौलत पाकर हमें मिथ्या अभिमान नहीं करना चाहिए।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) पछताना पड़ सकता है
(ख) अभिमान
(ग) दौलत भी जल ही की तरह एक जगह नहीं रहती।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों को सुनकर उनको लिखेंगे।
2. (क) जो बिना विचारे काम करते हैं, उनकी जग-हँसाई इसलिए होती है क्योंकि उनका कार्य बिगड़ जाता है। बिना सोचे किया गया काम अधिकतर ठीक नहीं होता इसलिए जग में उस मनुष्य की हँसाई होती है।

   (ख) मनुष्य का जब बिना सोचे-समझे किया गया काम बिगड़ जाता है, तब उसकी जग-हँसाई होती है। ऐसा मनुष्य दुखी हो जाता है तथा उसे चैन नहीं आता।

   (ग) दौलत आने पर हमें अभिमान नहीं करना चाहिए क्योंकि दौलत जल के समान चंचल होती है। आज है तो कल नहीं है तथा जल की तरह एक जगह ठहरती नहीं है। अतः जो स्थायी न हो, उसके लिए अभिमान करके क्या लाभ!

   (घ) दौलत आने पर लोग अज्ञानतावश अभिमानी हो जाते हैं। वे दौलत के घमंड में औरों से बुरा व्यवहार करना शुरू कर देते हैं।
3. (क) इन पंक्तियों में गिरिधर कविराय सोच-समझकर काम करने की सीख देते हुए कह रहे हैं कि बिना समझे किया गया कार्य अधिकतर असफल होता है और बिगड़ जाता है। ऐसा होने पर जग हँसाई होती है। मनुष्य स्वयं को अपमानित महसूस करता है, उसका दुख टाले नहीं टलता। यही दुख हृदय में खटकता रहता है। अतः हमें सदा सोच-विचारकर ही सभी कार्य करने चाहिए।

   (ख) इन पंक्तियों में कवि मनुष्य को दौलत पाकर अभिमान करने से रोक रहे हैं। कवि कहते हैं कि धन का स्वभाव जल के समान बहुत चंचल होता है। धन कभी सदा एक जगह स्थिर होकर नहीं रहता। फिर ऐसे धन के लिए अभिमान नहीं करना चाहिए।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. पाछे – पीछे
   चित्त – मन
   पाहुन – मेहमान
   जग – संसार
2. हँस
   गाँठ
   रंग
   यहाँ
   लंबा
   माँ

पहुँच
संगठन

3. अध्यापक विद्यार्थियों को समझाएँ।

सोचिए और बताइए Think & Tell

सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) जब बिना सोचे-समझे किया जाता है।
   (ख) किसी काम में मन नहीं लगता।
   (ग) दौलत पाने का।
2. (क) काम बिगड़ने पर खाना-पीना, सम्मान तथा मनोरंजन आदि नहीं भाते हैं।
   (ख) जब काम बिना सोचे-समझे किया जाता है और इस कारण से बिगड़ जाता है, तब जग में हँसी उड़ती है।
   (ग) दौलत कभी एक व्यक्ति के पास नहीं रुकती है। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के पास और दूसरे से तीसरे व्यक्ति के पास चली जाती है। इसलिए दौलत को चंचल कहा गया है।
3. विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर स्वयं लिखेंगे।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4.

पाछे	–	पीछे	कीजै	–	कीजिए
आपनो	–	अपना	लीजै	–	लीजिए
चित्त	–	मन	सपनेहूँ	–	सपने में
कछु	–	कुछ	तौलत	–	तोलता है

5. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
8. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 10 : अहिंसा

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• अहिंसा • प्रकृति प्रेम • सद्व्यवहार • जीवों को न सताना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	पौराणिक कथा
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, उपसर्ग, प्रत्यय, समानार्थी शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कार्य-कारण संबंध, परिणाम, संदेश, समस्या समाधान
रचनात्मक कार्य Art Integration	एकांकी मंचन, कहानी लेखन तथा शीर्षक लेखन
जीवन मूल्य Values	जीवों को न सताना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

एक समय की बात है, किसी गाँव के चरवाहे प्रतिदिन अपने पशुओं को जंगल में चराने ले जाते थे। उनके रास्ते में एक विशाल पेड़ आता था। उस पेड़ के नीचे बिल में एक विषैला नाग रहता था, जो बिल के पास आने वाले व्यक्ति को डँस लेता था। इस कारण कई लोग अपनी जान गँवा बैठे थे। एक दिन उस गाँव में एक भिक्षु आए। रात को वे एक मंदिर में ठहरे और सुबह जंगल की ओर निकल पड़े। जब वे उस पेड़ के निकट पहुँचे तो वहाँ से जाने वाले कुछ चरवाहों ने उन्हें वहाँ जाने से रोका और विषैले नाग के बारे में बताया। भिक्षु ने कहा, "चिंता मत करो। नाग मुझे नहीं काटेगा।" यह कहकर वे उसी पेड़ के नीचे ध्यान लगाकर बैठ गए। चरवाहे वहाँ से चले गए। थोड़ी देर में नाग वहाँ आया तो भिक्षु ने मंत्र पढ़कर उसे शांत किया और कहा कि वह देखे कि उनके ध्यान में कोई बाधा न आए। नाग उनकी रखवाली करता रहा। ध्यान टूटने पर भिक्षु ने नाग को शांत रहने का मंत्र दिया और चले गए। भिक्षु ने लौटकर गाँववालों को बताया कि नाग अब किसी को नहीं डँसेगा। अब नाग सचमुच किसी को नहीं डँसता था। धीरे-धीरे गाँव वालों में नाग का डर दूर हो गया। एक बार कुछ लड़कों ने उसे पत्थर मार-मारकर लहूलुहान कर दिया। ज़ख्मी नाग बिना कुछ खाए-पिए बिल में ही पड़ा रहा। उसके ज़ख्म तो भर गए पर वह बहुत कमज़ोर हो गया। जब कई दिनों तक नाग दिखाई नहीं दिया तो गाँववालों ने समझा कि वह मर गया है। जब वे भिक्षु गाँव में पुनः आए तो लोगों ने उन्हें बताया कि नाग मर गया है। यह सुनकर भिक्षु को बहुत आश्चर्य हुआ। वे तुरंत नाग के बिल के पास गए और उसे आवाज़ देकर बुलाया। नाग ने आकर भिक्षु को सारी बात बताई। भिक्षु उसे समझाते हुए बोले, "यह सही है कि मैंने तुम्हें अहिंसा का पाठ पढ़ाया था पर अपनी रक्षा के लिए तुम फुँफकार तो सकते हो!" नाग ने कहा, "आगे से ऐसा ही करूँगा।" यह सुनकर भिक्षु प्रसन्न हुए और उसे आशीर्वाद देकर चले गए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ अहिंसा पर तो आधारित है ही, साथ ही यह संदेश भी देता है कि हमें पशु-पक्षियों को सताना नहीं चाहिए। इस विषय में विद्यार्थियों से बात करें। उसके बाद महात्मा गांधी का नाम लेते हुए पूछें कि वे उनके विषय में क्या जानते हैं? अहिंसा के विषय में उनके क्या विचार थे, यह विद्यार्थियों को बताएँ। यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हों तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पढ़कर कहानी सुना दें। कहानी पढ़कर एक और कहानी याद आती है – डाकू अंगुलिमाल की। विद्यार्थियों को यह कहानी संक्षेप में सुना दें और पूछें कि दोनों कहानियों में क्या समानता है। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।

3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी सिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. महात्मा बुद्ध भी अहिंसा की बात करते थे। अहिंसा पर आधारित उनकी शिक्षाओं के विषय में बताएँ।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **चरवाहों ने भिक्षु को किससे सावधान किया?**
     ☐ **शेर से** ☐ **चीते से** ☐ **काले नाग से**
10. श्यामपट्ट पर **उपसर्ग-प्रत्यय** के विषय में बताएँ कि किस प्रकार ये शब्दों के निर्माण में सहायक होते हैं। श्यामपट्ट पर इनसे निर्मित **शब्दों की रचना** समझाएँ।
11. **समानार्थी शब्दों** से संबंधित **बहुविकल्पी प्रश्न** को **मौखिक रूप** से श्यामपट्ट पर लिख कर ही पूछ लें। पाठ्यपुस्तक में दिया गया प्रश्न गृहकार्य हेतु दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि भिक्षु उस गाँव में नहीं आते तो क्या होता?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. इन शब्दों का विद्यार्थी स्वयं शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) लोगों ने भिक्षु को वृक्ष के बारे में बताया कि उस वृक्ष के कोटर में एक विषैला नाग रहता है जो लोगों को डँस लेता है।
   (ख) भिक्षु ने नाग को तब तक वृक्ष के समीप पहरा देने का आदेश दिया जब तक वे ध्यान लगा कर बैठेंगे।
   (ग) अंत में भिक्षु ने नाग को यह शिक्षा दी कि हिंसा करना यदि गलत है तो हिंसा सहना भी गलत है। हमें अहिंसा के मार्ग पर रहना चाहिए परंतु साथ ही आत्मरक्षा भी अवश्य करनी चाहिए।
   (घ) अंत में भिक्षु ने नाग की शिक्षा को मानते हुए कहा कि, "आपका कहना उचित है। आगे से मैं ऐसा ही करूँगा।"

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) वहाँ एक विषैला नाग रहता था।
(ख) वे ध्यान लगाना चाहते थे।
(ग) पवित्र मंत्र

लिखित Writing

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) विषैला नाग एक गाँव के वृक्ष के कोटर में रहता था। उस नाग का स्वभाव बहुत हिंसक था। वह वृक्ष के पास से आने-जाने वाले लोगों को डँस लेता था।
   (ख) चरवाहों ने भिक्षु को वृक्ष के पास जाने से इसलिए रोका क्योंकि उस वृक्ष की कोटर में एक विषैला नाग रहता था जो आने-जाने वाले लोगों को डँस लेता था।
   (ग) जब गाँववालों का डर खत्म हो गया, तब उस गाँव के लड़कों ने नाग के साथ बहुत बुरा व्यवहार करना शुरू किया। वे नाग पर पत्थर फेंकते और एक दिन तो उन्होंने उस नाग को पत्थर मार-मारकर लहूलुहान कर दिया।
   (घ) नागराज की दुर्दशा देखकर भिक्षु ने उसको समझाया कि उन्होंने उसको हिंसा करने के लिए मना किया था परंतु अपनी आत्मरक्षा के लिए फुँफकारने के

लिए मना नहीं किया था। भिक्षु ने समझाया कि हिंसा करना यदि गलत है तो हिंसा सहना भी गलत है।

(ङ) इस कहानी से हमें 'अहिंसा' शब्द का उचित अर्थ समझने को मिलता है। इस पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि हमें अहिंसा के मार्ग पर रहते हुए आत्मरक्षा करने का भी संपूर्ण अधिकार है। अन्याय तथा हिंसा करना तो गलत है परंतु अन्याय, हिंसा सहन करना भी गलत है।

3. (क) प्रणाम
(ख) घबराए
(ग) विषैला
(घ) कृपा
(ङ) हिंसा

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. विद्यार्थी पढ़कर समझेंगे।
2. • समय – ☑ घड़ी
• गाँव – ☑ ग्राम
• प्राण – ☑ जीवन
• नाग – ☑ साँप
• तनिक – ☑ ज़रा
• बाधा – ☑ रुकावट
• नियंत्रण – ☑ काबू
• कमज़ोर – ☑ दुबला

सोचिए और बताइए Think & Tell

सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) नाग से (ख) नाग को
(ग) उसने बहुत दिनों से कुछ खाया नहीं था।

2. इस पाठ का संदेश यह है कि हमें अहिंसा के साथ जीवन जीना चाहिए। किसी को हानि नहीं पहुँचानी चाहिए। किंतु जब कोई अत्याचार करे या प्राण संकट में हों, तब हमें अपनी रक्षा के लिए, दिखाने या डराने के लिए ही सही, शस्त्र अवश्य उठाने चाहिए।

3. (i) जंगल के रास्ते में विशाल वृक्ष के नीचे एक काला नाग रहता था।
   (ii) गाँव वाले काले नाग से बहुत भयभीत रहते थे।
   (iii) गाँव में भिक्षु महाराज आए।
   (iv) गाँव वालों ने भिक्षु को वृक्ष की ओर जाने से रोका।
   (v) भिक्षु ने काले नाग को क्रोध को वश में रखने का मंत्र दिया।
   (vi) अब नाग किसी को नहीं डँसता था।
   (vii) काले नाग का भय समाप्त हो गया।

4. (क) विषैला नाग, (ख) भिक्षु, (ग) फुँफकारता, (घ) मंत्र, (ङ) विरोध, (च) आशीर्वाद

5. (क) √, (ख) √, (ग) X, (घ) √, (ङ) √, (च) X

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

6. नाग √, वृक्ष √, स्वर √, भिक्षु √, लड़के √, वाणी √, नाग √

7. चरवाहा, ग्रामीण, क्रोधी, ज़हरीला, भिक्षुक, दयालु, रक्षक।

8.

नाग	–	नागिन	महाराजा	–	महारानी	भिक्षु	–	भिक्षुणी
बेचारा	–	बेचारी	लड़का	–	लड़की	लेखक	–	लेखिका
काला	–	काली	ज़हरीला	–	ज़हरीली	दुबला	–	दुबली

रचनात्मक कार्य Creative Work

9. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
10. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
11. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 11 : दो बैलों की कथा

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• पशु-पक्षी प्रेम • दया भाव • मित्रता एवं सहयोग • स्वतंत्रता का महत्त्व

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, लिंग की परिभाषा, पुल्लिंग-स्त्रीलिंग, शब्दांशों का वाक्य में प्रयोग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	समस्या समाधान, वर्णन, परिणाम, कार्य-कारण संबंध, चरित्र-चित्रण, कारण, कल्पना, अनुमान
रचनात्मक कार्य Art Integration	अनुच्छेद-लेखन, अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, यू-ट्यूब पर गाना सुनकर कक्षा में सुनाना
जीवन मूल्य Values	पशु-पक्षियों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

झूरी नाम का एक किसान था। उसके पास दो बैल थे – हीरा और मोती। दोनों बैल आपस में अच्छे मित्र थे और झूरी का भी बहुत साथ देते थे। झूरी भी उनके चारे-पानी का बहुत ध्यान रखता था। कभी उन्हें मारता-पीटता नहीं था। यही कारण था कि दोनों बैल भी झूरी को बहुत चाहते थे। एक बार झूरी की पत्नी का भाई गया प्रसाद हीरा और मोती को अपने

साथ अपने घर ले जाने लगा। दोनों बैल जाना नहीं चाहते थे इसलिए धीरे-धीरे चल रहे थे। वे कभी रुकते तो कभी चलते। इस कारण गया प्रसाद ने रास्ते में उन्हें बहुत पीटा। घर पहुँच कर उसने दोनों के सामने रूखा-सूखा भोजन डाल दिया, जिसे हीरा-मोती ने सूँघा तक नहीं। रात को किसी तरह रस्सियाँ तोड़कर वे भाग निकले और अपने घर आ गए। झूरी ने जब उन्हें देखा तो सब समझ गया और प्यार से उनके शरीर को सहलाया। अगले दिन गया प्रसाद फिर उन्हें ले गया और उनसे बड़ा कठिन काम लेने लगा। मोटे रस्सों से उन्हें बाँधता और रूखा-सूखा भूसा खाने को देता, जिसे वे सूँघते भी नहीं। गया प्रसाद की एक बेटी थी। उसे बैलों की यह दशा देखकर बहुत बुरा लगता था। एक दिन जब हीरा-मोती रस्सी तोड़ने की कोशिश कर रहे थे तब उस लड़की ने दोनों बैलों को खोल दिया। दोनों वहाँ से भाग निकले। वहाँ से भाग कर वे एक खेत में चर रहे थे कि खेत के मालिक ने उन्हें देख लिया और पकड़कर कांजी हाउस में बंद करवा दिया। वहाँ उन्होंने दीवार तोड़कर सब जानवरों को भगा दिया। पर स्वयं नहीं भाग पाए क्योंकि हीरा रस्सी से बँधा हुआ था। सब जानवरों के भाग जाने से कांजी हाउस वालों को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने हीरा-मोती को नीलाम कर दिया। एक व्यापारी ने उन्हें खरीद लिया और अपने घर ले जाने लगा। मार खाते-खाते और भूख सहते-सहते हीरा-मोती बहुत कमज़ोर हो गए थे। वे चुपचाप उसके साथ चलने लगे। अचानक उन्हें रास्ता जाना-पहचाना-सा लगा। न जाने उनमें कहाँ से दम आ गया और तेज़ी से भागते हुए अपने घर पहुँच गए। झूरी उन्हें देखकर बहुत खुश हुआ और उनसे लिपट गया। तभी किसान भी वहाँ पहुँच गया और झूरी से हीरा-मोती को माँगने लगा। मोती ने आव-देखा-ना ताव, व्यापारी पर झपट पड़ा। व्यापारी अपनी जान बचा कर वहाँ से भाग गया। झूरी की पत्नी भी अंदर से दौड़ी-दौड़ी आई। उसने दोनों बैलों के माथे चूम लिए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ पशु-पक्षी प्रेम पर तो आधारित है ही, साथ ही स्वतंत्रता के महत्त्व को भी प्रतिपादित कर रहा है। साथ ही यह संदेश भी दे रहा है कि हमें पशु-पक्षियों को सताना नहीं चाहिए। इस विषय में विद्यार्थियों से बातें करें। उन्हें बताएँ कि पशु-पक्षी सदा से ही हमारे सहायक रहे हैं। उन्हें भी स्वतंत्रता उतनी ही प्रिय होती है, जितनी कि हम मनुष्यों को होती है। फिर पूछें कि क्या आपको भी ऐसा ही लगता है? यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पढ़कर कहानी सुना दें। फिर पूछें कि जिस प्रकार बैल सदियों से मनुष्य का मित्र या सहायक रहा है, क्या ऐसे और भी पशु हैं, जो मनुष्य के लिए मददगार रहे हैं? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।

3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पाठ में क्योंकि स्वतन्त्रता के महत्त्व का भाव भी है, अत: स्वतंत्रता संग्राम के विषय में कुछ बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **मटर के खेत में हीरा-मोती की मुठभेड़ किससे हो गई?**

     ☐ **एक हाथी से** ☐ **एक साँड से** ☐ **खेत के मालिक से**
10. श्यामपट्ट पर **लिंग की परिभाषा** समझाकर पुल्लिंग-स्त्रीलिंग के उदाहरण दें। इसके बाद पुस्तक में दिया लिंग संबंधित अभ्यास-कार्य करवाएँ।
11. **वाक्यांशों का** पहले मौखिक रूप से वाक्यों में प्रयोग करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका वाक्य में प्रयोग करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि गया प्रसाद की बेटी हीरा-मोती की सहायता नहीं करती तो कहानी में क्या बदलाव हो सकता था?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. इन शब्दों का विद्यार्थी स्वयं शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) दोनों बैलों के नाम थे– हीरा और मोती।
   (ख) दोनों बैलों को अपने साथ झूरी की पत्नी का भाई, गया प्रसाद ले गया।
   (ग) दोनों बैलों को गया प्रसाद के घर से उसकी ही बेटी ने भगा दिया।
   (घ) कांजी हाउस में घोड़े, भैंसें, गधे, घोड़ियाँ और बकरियाँ, आदि अन्य पशु थे।
   (ङ) निर्बल बैलों में उस वक्त दम आया जब उनको ले जाने वाला व्यापारी उनको जाने-पहचाने मार्ग से ले जा रहा था।
   (च) व्यापारी को बैलों ने डरा-डराकर भगा दिया।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) झूरी की पत्नी का भाई
(ख) अपने घर
(ग) बहुत सारे पशु
(घ) एक व्यापारी ने

लिखित Writing

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों को सुनकर उनको लिखेंगे।
2. (क) झूरी दोनों बैलों को बहुत प्यार से रखता था। वह उनके चारे-पानी का बहुत ध्यान रखता था तथा वह कभी उनको मारता-पीटता नहीं था।
   (ख) गया प्रसाद दोनों बैलों को अच्छी तरह नहीं रखता था। वह उन दोनों से बहुत कठिन काम लेता था, उनको मारता-पीटता भी था। खाने के लिए उन्हें रूखा-सूखा भूसा देता था।
   (ग) हीरा-मोती ने साँड का मुकाबला बड़े साहस से किया। जब साँड ने हीरा पर सामने से वार किया तब मोती ने तुरंत पीछे से अपने सींगों से साँड पर हमला कर दिया। मोती के इस वार से साँड घबरा गया और कुछ देर बाद वहाँ से भाग गया।
   (घ) कांजी हाउस में हीरा मोती ने एक रात निकल भागने की कोशिश की। दोनों ने अपने सींगों से एक दीवार का कुछ हिस्सा गिरा दिया। दीवार का वह हिस्सा

गिरने से वहाँ एक रास्ता बन गया। रास्ता बनते ही घोड़ियाँ, भैंसें, बकरियाँ और गधे भाग गए। हीरा खुद रस्सी से बँधा हुआ था इसलिए न वह भाग पाया और न ही उसको वहाँ छोड़कर मोती भागा।

(ङ) कांजी हाउस वालों ने हीरा-मोती को इसलिए नीलाम कर दिया क्योंकि उन दोनों ने ही कांजी हाउस की दीवार का कुछ अंश गिराकर वहाँ के बाकी जानवरों के भाग निकलने में मदद की थी। इस बात से वे दोनों बैलों पर बहुत क्रोधित थे।

3. (क) उत्साह
   (ख) कठिन
   (ग) खेत के मालिक
   (घ) पछताए
   (ङ) सींग मारकर
   (च) आव देखा न दाव

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

घोड़ा	–	घोड़ी	शेरनी	–	शेर
पति	–	पत्नी	बकरी	–	बकरा
गधा	–	गधी	हथिनी	–	हाथी
भाई	–	भाभी	हिरणी	–	हिरण

2.
- सचिन ने इस वर्ष परीक्षा में अच्छे अंक लाने की **ठान ली है**।
- कोरोना के कारण त्योहार मनाने में उस वर्ष कोई **उत्साह न था**।
- मेरा पालतू कुत्ता मुझे किसी और कुत्ते को पुचकारता देखकर भी **जल भुन जाता है**।
- राघव के पास बारिश होने के बावजूद आज स्कूल जाने के अलावा **कोई चारा न था**।
- अर्जुन ने **आव देखा न ताव**, बस तीर निशाने पर चला दिया।
- जीवन में कठिनाई आने पर हमें सदा **साहस से काम लेना** चाहिए।
- सानिया मिर्ज़ा ने मैच जीतने के लिए **एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा** दिया।

सोचिए और बताइए Think & Tell

सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) क्योंकि वह उनका बहुत ध्यान रखता था।
   (ख) कमज़ोर और दुबले-पतले।
   (ग) उन्हें नीलाम कर दिया।
2. (क) गया प्रसाद जब पहली बार बैलों को अपने घर ले जा रहा था, तब वे उसके साथ नहीं जाना चाहते थे। इसलिए वे कभी रुकते तो कभी चलते थे। इससे परेशान होकर गया प्रसाद ने उन्हें पीट दिया।
   (ख) गया प्रसाद बैलों से दिन भर मेहनत करवाता था। शाम को खाने के लिए रूखा-सूखा भूसा देता था। गया प्रसाद की बेटी को यह बहुत बुरा लगता था। इसलिए वह चुपके से उन्हें रोटी खिलाती थी।
   (ग) दोनों बैलों ने साहस से साँड़ का सामना किया। साँड़ ने हीरा पर सामने से वार किया तो मोती ने तुरंत पीछे से उसपर सींगों से हमला कर दिया। इससे साँड़ घबरा गया, क्योंकि वे दो थे। इस तरह दोनों ने मिलकर साँड़ को भगा दिया।
   (घ) व्यापारी जब बैलों को अपने घर ले जा रहा था तब अचानक हीरा-मोती को रास्ता कुछ जाना पहचाना-सा लगा। दोनों ने एक-दूसरे को इशारा किया और न जाने कहाँ से उनमें दम आ गया। दोनों एक साथ तेज़ी से भागने लगे। आगे-आगे हीरा-मोती और पीछे-पीछे व्यापारी। जब तक वह उन्हें पकड़ता, तब तक दोनों झूरी के घर पहुँच चुके थे।
3. (क) इस बात का भाव यह है कि हीरा और मोती गया प्रसाद के साथ उसके घर नहीं जाना चाहते थे। वे बिना मन के, उदास भाव से उसके साथ जा रहे थे। जबकि जब वे झूरी के साथ कहीं जाते थे, तब बहुत ही उत्साह से चलते थे।
   (ख) साँड़ ने उन दोनों का रास्ता रोक लिया था। वह उन्हें आगे नहीं जाने दे रहा था। उसका सामना करके, उसे हरा कर ही वे आगे जा सकते थे। यही इस पंक्ति का भाव है

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. (क) वे दोनों प्यासे तो थे ही, उतर गए नहर में और लगे पानी पीने!

(ख) वह थका हुआ तो था ही, घुस गया बिस्तर में और लगा सोने!

(ग) लालची तो वह था ही, घुस गया दुकान में और लगा मिठाई खाने!

(घ) वीर तो वह था ही, चला गया युद्ध के मैदान में और लगा युद्ध करने।

5. झूरी √, दिन √, बैल √, बेटी √, दीवार √, रस्सी √, मोती √, व्यापारी √

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 12 : दूर-संचार का सतत विकास

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• भाषा का महत्त्व • संचार के साधनों की जानकारी • वैज्ञानिक सोच का विकास • प्रारंभिक भाषा का ज्ञान

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	लेख (विज्ञान)
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, 'इक' प्रत्यय के प्रयोग से शब्द रचना, उदाहरण के समान वाक्य बनाना, अनुच्छेद लेखन
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, परिणाम, कार्य-कारण संबंध, कारण, अनुमान, कल्पना
रचनात्मक कार्य Art Integration	सूची बनाना, कोलाज बनाना, मॉडल बनाना, चार्ट पेपर पर उपग्रह का चित्र बनाना
जीवन कौशल Life Skills	वैज्ञानिक सोच का विकास

डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ संचार के साधनों का किस प्रकार क्रमिक विकास हुआ है, इस विषय पर आधारित है। भाषा मन के भावों को व्यक्त करने का साधन है। हम अपनी बात या भाव बोलकर, लिखकर अथवा संकेतों के द्वारा व्यक्त करते हैं। आदि मानव ने जब बोलना नहीं सीखा था तब उसने अस्पष्ट अथवा संकेतों के माध्यम से अपने मन की बात कहनी शुरू की होगी। जैसे-जैसे समय बीतता गया होगा, मनुष्य बोलने में प्रवीण होता गया होगा। धीरे-धीरे उसने मौखिक भाषा को लिखित रूप देने के लिए लिपि का विकास किया होगा। इससे वह कोई भी संदेश लिखकर दूर रहने वाले किसी भी व्यक्ति को संदेशवाहक के माध्यम से भेजने लगा। संदेश या सूचना भेजने को आधुनिक समय में 'संचार' कहा जाता है और जिन माध्यमों से संचार किया जाता है, उन्हें 'संचार के साधन' कहा जाता है। आइए, समझते हैं, संचार के इन साधनों का क्रमिक विकास कैसे हुआ। जैसे कि आरंभ में बताया गया है, आदि मानव अस्पष्ट आवाज़ में अपने मन के भावों को प्रकट करता होगा। इसके बाद भाषाएँ विकसित हुई होंगी और संचार का साधन बनी होंगी। लेकिन बोलने की आवाज़ या ध्वनि अधिक दूर तक सुनाई नहीं देती थी, अत: किसी ऊँची जगह पर ज़ोर से बोलकर आवाज़ को दूर तक पहुँचाया जाता था। फिर समय के साथ घंटियाँ, ढोल या नगाड़े को बजाकर-बजाकर संदेश बोला जाने लगा। लोग इनकी आवाज़ सुनकर वहाँ आ जाते थे और संदेश सुन लेते थे। धीरे-धीरे घुड़सवारों के माध्यम से संदेश भेजे जाने लगे। सन 1770 में फ्रांसीसी इंजीनियर क्लाउद शापे ने एक प्रणाली, 'सेमाफोर', जो पहले से विकसित थी, में अक्षरों को सूचित करने के लिए कुछ कोड निश्चित किए। पहली सेमाफोर प्रणाली सन 1794 में फ्रांस में लगी थी। इसके बाद बिजली का आविष्कार हुआ और दूर-संचार के साधनों में बहुत बड़ी क्रांति आ गई। 'विद्युत टेलीग्राफ' का आविष्कार हुआ और समाचार तेज़ी से इधर-उधर आने-जाने लगे। दूर-संचार के क्षेत्र में क्रांति का यह दौर यहीं नहीं थमा। इसके ठीक तीन दशक बाद अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने टेलीफ़ोन का आविष्कार कर दिया। टेलीफ़ोन की उपयोगिता का महत्त्व आज भी उतना ही है, जितना कि उस समय में था। इसके बाद ट्रांसमीटर, रिसीवर और रेडियो का आविष्कार हुआ। इसी प्रकार इलेक्ट्रोनिक के सतत विकास से टेलीविज़न का आविष्कार हुआ। आज के दौर में इंटरनेट संचार के कई साधनों का नेटवर्क बना हुआ है। फेसबुक, इंस्ट्राग्राम, यू-ट्यूब, वाट्स ऐप और अन्य विभिन्न ऐप इंटरनेट के माध्यम से ही चलते हैं। संचार के ये साधन इतने तेज़ हैं कि पलक झपकते ही समाचार पूरे संसार में फैल जाता है। इसके

लिए कंप्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल जैसे साधनों का उपयोग किया जाता है। संचार के इन आधुनिक साधनों का भविष्य में और भी विकास होगा।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ संचार के साधनों पर आधारित है, अत: इसे बड़ी ही सरलता से डिजिटल भारत से जोड़ा जा सकता है। आप विद्यार्थियों से पहले संचार के आधुनिक साधनों पर बातें करें। इसके बाद डिजिटल पेमेंट, डिजिटल बैंकिंग तथा गूगल मीट, आदि के विषय में बातें करें। यदि कोई विद्यार्थी इस विषय में कुछ कहना चाहता है तो उसे इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. संचार के प्राचीन साधनों के विषय में संक्षेप में बता दें। अब पढ़कर पाठ सुना दें। इसके बाद संचार के आधुनिक और प्राचीन साधनों की तुलना करते हुए चर्चा करें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. चूँकि पाठ संचार के साधनों के विषय में है, अत: विद्यार्थियों से पूछें कि भविष्य में संचार के और कौन-कौन-से साधन विकसित हो सकते हैं। उन्हें कल्पना की उड़ान भरने दें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **किसके आविष्कार के कारण दूर-संचार के साधनों में बहुत बड़ी क्रान्ति आ गई?**
     ☐ इंटरनेट ☐ टेलीफ़ोन ☐ बिजली
10. श्यामपट्ट पर लिख कर **'इक' और 'इत' प्रत्ययों के** उदाहरण दें। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त अन्य उदाहरण भी दें। इसके बाद पुस्तक में दिया गया अभ्यास-कार्य करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में वाक्य में किस प्रकार परिवर्तन करना है, यह श्यामपट्ट पर समझा दें। इसके बाद गतिविधि कॉपी या पुस्तक में ही करने के लिए दें।

12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि यदि बिजली का आविष्कार नहीं हुआ होता तो संचार के साधनों पर क्या प्रभाव पड़ता?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दे।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. इन शब्दों का विद्‌यार्थी स्वयं शुद्‌धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) मन के भावों को व्यक्त करने का साधन भाषा है।
   (ख) संदेशवाहकों का काम समाचार या कोई संदेश एक जगह से दूसरी जगह पर लाने-ले-जाने का होता था।
   (ग) बिजली के आविष्कार से दूर-संचार के साधनों में बहुत बड़ी क्रांति आ गई थी।
   (घ) पाठ में भारतीय वैज्ञानिक 'जगदीशचंद्र बसु' के बारे में यह बताया गया है कि उन्होंने 'बेतार' की प्रणाली में कई प्रारंभिक प्रयोग किए थे।
   (ङ) संचार उपग्रहों के माध्यम से सबसे पहले चलचित्रों का प्रसारण शुरू किया गया था। इन संचार उपग्रहों का यही काम है।
   (च) 'इंटरनेट' हज़ारों लोगों को एक-दूसरे से जोड़ता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब, वाट्सऐप, इत्यादि विभिन्न ऐप इंटरनेट के माध्यम से ही चलते हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) संचार

(ख) संचार के साधन
(ग) झंडियों के माध्यम से
(घ) बेतार की

लिखित Writing

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) आदि मानव पहले संकेतों के माध्यम से अपनी बात दूसरे लोगों तक पहुँचाते थे।
   (ख) समय के साथ पुराने ज़माने में बड़ी-बड़ी घंटियों को बजाकर और तेज़ ढोल या नगाड़े बजाकर संदेश को बोला जाता था। इसी तरह शंख, भोंपू तथा तुरही आदि की तीव्र ध्वनि से संदेश प्रेषित किया जाता था।
   (ग) शुरूआत के संचार साधनों में ये कठिनाइयाँ थीं कि इन ध्वनियों के माध्यम से संदेश एक सीमा तक ही जा सकता था जबकि मनुष्य अपना संदेश तीव्र गति से तथा एक साथ बहुत सारे लोगों तक अपना संदेश पहुँचाना चाहता था।
   (घ) 'सेमाफोर' की प्रणाली सन् 1790 में फ्रांसीसी इंजीनियर क्लाउद शापे ने विकसित की थी। इस 'सेमाफोर' में हाथों से अक्षरों को सूचित करने के लिए कुछ कोड निश्चित करके भेजे जाने लगे थे।
   (ङ) आधुनिक दौर में 'इंटरनेट' संचार के कई साधनों का नेटवर्क बना हुआ है। यह हज़ारों-लाखों लोगों को एक-दूसरे से जोड़ता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब, वाट्सऐप और अन्य कई ऐप इंटरनेट के माध्यम से ही चलते हैं। इंटरनेट ने संसार भर में संचार का जाल बुन दिया है। इंटरनेट की गति इतनी तीव्र है कि पल भर में कोई भी खबर विश्व भर में फैल जाती है।
   (च) संचार के साधनों में क्रांतिकारी परिवर्तन बिजली के आविष्कार के बाद से माना जाता है। बिजली के आविष्कार से टेलीग्राफ़ के माध्यम से समाचार तेज़ी से इधर-उधर आने जाने लगे।
3. (क) प्रवीण
   (ख) संचार
   (ग) प्रकाश
   (घ) बिजली
   (ङ) बेतार

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. विद्यार्थी समझकर लिखेंगे।
2. (क) इसके बाद साधना आई।
   (ख) इसके बाद मेरा नंबर आया।

(ग) इसके बाद सचिन भाई आए।

(घ) इसके बाद ऋचा और साहिल आए।

3. विद्यार्थी अपनी समझ से लिखेंगे।

सोचिए और बताइए Think & Tell

सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) लिपि का

   (ख) ढोल-नगाड़े

   (ग) घुड़सवार के माध्यम से संदेश भेजने की

2. (क) आधुनिक समय में संदेश, टेलीफोन, मोबाइल, ई-मेल, फैक्स, टेक्स्ट संदेश (व्हाट्स ऐप एवं ऐसे ही अन्य ऐप) के माध्यम से भेजे जाते हैं।

   (ख) घंटियों और नगाड़ों की तेज़ आवाज़ें लोगों को संदेश सुनाने के लिए एक स्थान पर इकट्ठा करने के काम आती थीं।

   (ग) सन 1790 में फ्रांसिसी इंजीनियर ने पहले से विकसित एक प्रणाली में अक्षरों को सूचित करने के लिए कुछ कोड निश्चित किए।

   (घ) पाठ में टेलीग्राफ़ प्रणाली के बारे में यह बताया गया है कि न्यूयार्क में सन 1831 में विद्युत टेलीग्राफ़ के माध्यम से पहला सफल संदेश प्रेषित हुआ। इसमें रोमन अक्षरों के लिए डॉट (.) और डैश (-) के मेल से एक नया कोड बनाया गया था। इसमें 'म' के लिए डॉट तथा 'ज' के लिए डैश कोड बना। धीरे-धीरे इसकी उपयोगिता बढ़ने बढ़ी तो समुद्र में केबल बिछाए गए। इससे समाचार तेज़ी से इधर-उधर जाने लगे। भारत में सर्वप्रथम प्रयागराज (इलाहबाद) और कलकत्ता के मध्य पहली टेलीग्राफ़ लाइन बिछाई गई थी।

(ङ) चलचित्रों का प्रसारण पृथ्वी की कक्षा में स्थित संचार उपग्रहों के माध्यम से किया जाता है।

3. मानव ने सबसे पहले संकेतों एवं चित्रों के माध्यम से अपनी बात कहनी सीखी। समय के साथ बड़ी-बड़ी घंटियों और ढोल-नगाड़ों को तेज़-तेज़ बजाकर संदेश बोला जाने लगा। इसके बाद लिपि का आविष्कार हुआ और संदेश लिखकर संदेशवाहकों के माध्यम से भेजे जाने लगे। फिर 1831 में टेलीग्राफ़ प्रणाली का विकास हुआ। कुछ समय बाद टेलीफ़ोन का और उसके बाद बेतार का आविष्कार हुआ। 1901 में मानव रेडियो तरंगों के माध्यम से संदेश भेजने में सफल हो गया। इसके बाद रेडियो और टेलीविज़न का आविष्कार हुआ। आज इंटरनेट संचार के कई साधनों का नेटवर्क बना हुआ है।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. पढ़ना √, आना √, चलना √, आया √, बनाना √, उठना √, भागना √, समझना √
5. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 13 : जीवन की चुनौती

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• हार न मानना • मेहनत करने की सीख • असफलता से न घबराना • लक्ष्य पाने तक प्रयास करते रहना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता की पंक्तियों का अर्थ लिखना

भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कारण, चरित्र-चित्रण, कार्य-कारण संबंध, आशय, संदेश
रचनात्मक कार्य Art Integration	भाषण देना, पोस्टर बनाना, कक्षा में प्रेरक कविताएँ सुनाना
जीवन कौशल Life Skills	असफलता से हार न मानना
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

इस कविता में बताया गया है कि जीवन में आने वाली हर चुनौती का सामना हमें साहस के साथ करना चाहिए। अगर हम ऐसा करेंगे तो हमारा निर्धारित लक्ष्य हमें अवश्य प्राप्त होगा। हमें मेहनत करने से नहीं घबराना चाहिए। और यदि कड़ी मेहनत करने के बाद भी असफलता मिल जाए तो फिर से नई शुरूआत करनी चाहिए और तब तक मेहनत करते रहना चाहिए जब तक कि लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। कवि ने इसके लिए कई उदाहरण दिए हैं। पहला उदाहरण उन्होंने नाविक का दिया है कि यदि वह तेज़ लहरों से डर जाएगा तो अपनी नौका को नहीं ले जा पाएगा। अत: हमें किसी भी परिस्थिति में बिना डरे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। इसके बाद कवि ने चींटी का उदाहरण देते हुए कहा है कि वह दाना लेकर जब दीवार पर चढ़ती है तो कई बार नीचे गिरती है। पर फिर भी वह हार नहीं मानती और अंतत: दीवार पर चढ़ ही जाती है। इसी प्रकार गोताखोर का उदाहरण देते हुए कवि कहते हैं कि वह कई बार गहरे पानी में डुबकी लगाता है और खाली हाथ वापस आता है। पर उसका परिश्रम व्यर्थ नहीं जाता और अंतत: वह भी मोती ले ही आता है। कवि इन लोगों का उदाहरण देते हुए कह रहे हैं कि असफलता मिलने से निराश मत हो, अपितु दुगुने उत्साह के साथ फिर से नई शुरूआत करो और अपना निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करो।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. सबसे पहले विद्यार्थियों को कविता का सार समझाएँ। बताएँ कि यह कविता जीवन के उन लक्ष्यों के लिए है, जो एक बार में प्राप्त नहीं होते बल्कि जिनके लिए हमें बार-बार प्रयत्न करना पड़ता है। अर्थात् लक्ष्य को प्राप्त करने में कितनी भी असफलताएँ क्यों न मिल जाएँ, जब तक हमें लक्ष्य मिल नहीं जाता, प्रयास करते

रहना है। इस विषय में उनके विचार जानें और चर्चा करें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।

2. अब विद्यार्थियों से इस विषय में उनके अनुभव जानें। पूछें, कि क्या कभी ऐसा हुआ है कि उनका कोई काम एक बार में पूरा न हुआ हो। तब उन्होंने क्या किया था? उस काम को फिर से शुरू किया था अथवा बीच में ही छोड़ दिया था? यदि बीच में ही छोड़ दिया था तो बीच में छोड़ने के बाद क्या हुआ था, आदि?
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें कविता कंठस्थ हो जाएँगी।
6. इन कविता से मिलते-जुलते भाव का एक गीत/कविता कक्षा में सुनाएँ और दोनों की तुलना करवाएँ।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **चींटी का उत्साह किस बात से कम नहीं होता?**
     - ☐ **दीवार से बार-बार गिरने पर भी**
     - ☐ **दाना न मिलने पर भी**
     - ☐ **दीवार पर चढ़ जाने पर भी**
9. श्यामपट्ट पर **विलोम शब्द** समझाएँ। उसके बाद अभ्यास-कार्य करवाएँ।
10. **गतिविधि-2** में दिए गए शब्दों का पहले **मौखिक रूप** से वाक्य में प्रयोग करवा लें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में ही करने के लिए दें।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस कविता का मूल भाव क्या है?
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. इन शब्दों का विद्यार्थी स्वयं शुद्धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) इस कविता का नाम है– जीवन की चुनौती।
   (ख) कविता में उन लोगों की बात हो रही है जो जीवन के संघर्षों को देखकर थोड़ा घबरा जाते हैं। उनको अलग-अलग उदाहरणों के माध्यम से हिम्मत बँधाई गई है।
   (ग) नन्हीं-सी चींटी का उदाहरण इसलिए दिया गया है क्योंकि वह किसी दीवार पर चढ़ने के लिए बार-बार चढ़ती है और बार-बार गिरती है, तब भी उसका उत्साह बिल्कुल कम नहीं होता है।
   (घ) असफलता मिलने पर मनुष्य को फिर से नई शुरूआत करनी चाहिए।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) वह नाव को पानी में उतारेगा ही नहीं।
(ख) उसका उत्साह कम नहीं होता।
(ग) सफलता पाता है।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों को सुनकर उनको लिखेंगे।
2. (क) कविता की पहली दो पंक्तियों का अर्थ है कि यदि हम लहरों को ही देखकर डर जाएँगे तो पार जाने के लिए नाव को पानी में उतारेंगे ही नहीं और अंत में हम नदी पार नहीं कर पाएँगे।
   (ख) चींटी का उत्साह कम इसलिए नहीं होता क्योंकि यदि उसका उत्साह कम हो जाएगा तो वह न तो दीवार पर चढ़ पाएगी और न ही अपने लक्ष्य तक पहुँच पाएगी।

(ग) गोताखोर का उदाहरण देकर कवि यह समझाना चाह रहा है कि मोती पाने के लिए गोताखोर को बार-बार समुद्र में डुबकी लगानी पड़ती है। कई बार खाली हाथ भी लौटना पड़ता है। कवि कहना चाहता है कि जीवन में मोती रूपी सफलता पाने के लिए कई बार प्रयास करने पड़ते हैं। तब कहीं जाकर सफलता मिलती है।

(घ) 'फिर से नई शुरूआत करो' – इस पंक्ति के द्वारा कवि मनुष्य को यह कहना चाहता है कि यह ज़रूरी नहीं है कि मनुष्य को पहली बार में ही सफलता मिल जाती हो परंतु इससे मनुष्य को हार नहीं माननी चाहिए। उसको फिर से नई शुरूआत करके अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। मनुष्य को तब तक हार नहीं माननी चाहिए जब तक उसको अपना लक्ष्य नहीं मिल जाता।

(ङ) इस कविता में जीवन के संघर्षों से हार न मानकर निरंतर प्रयास करते रहने की सीख दी गई है। कविता में चींटी, गोताखोर इत्यादि के उदाहरण देकर बताया गया है कि कुछ मूल्यवान प्राप्त करने के लिए हमें कई बार हार का भी मुँह देखना पड़ता है परंतु हमें उससे घबराना नहीं चाहिए। बल्कि पूरे जोश और उत्साह के साथ नई शुरूआत करके अपनी जीवन की चुनौती को स्वीकार कर आगे बढ़ते जाना चाहिए।

3. 'फिर से नई शुरूआत करो' – इस पंक्ति के द्वारा कवि मनुष्य को यह कहना चाहता है कि यह ज़रूरी नहीं है कि मनुष्य को पहली बार में ही सफलता मिल जाती हो परंतु इससे मनुष्य को हार नहीं माननी चाहिए। उसको फिर से नई शुरूआत करके अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। मनुष्य को तब तक हार नहीं माननी चाहिए जब तक उसको अपना लक्ष्य नहीं मिल जाता।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

निडर	x	डर	भरा	x	खाली
उतरती	x	चढ़ती	अंत	x	आरंभ
अस्वीकार	x	स्वीकार	आग	x	पानी
सफलता	x	असफलता	उथला	x	गहरा

2.
- मनुष्य **लहर** से डरेगा तो नदी पार नहीं जा पाएगा।
- रानी लक्ष्मीबाई ने बड़े **साहस** से अंग्रेज़ों का सामना किया।
- मैंने अजीत की **चुनौती** स्वीकार की और उसके साथ बैडमिंटन का मैच खेलकर उसको हरा दिया।
- हमें कभी जीवन में हार **स्वीकार** नहीं करनी चाहिए।

- **गोताखोर** समुद्र में डुबकियाँ लगाकर मोती ढूँढ़ते हैं।
- परीक्षा में **असफलता** मिलने पर फिर से प्रयास करना चाहिए।

3. मुट्ठी – मुट्ठियाँ | नौका – नौकाएँ
   कहानी – कहानियाँ | सुविधा – सुविधाएँ
   डुबकी – डुबकियाँ | सफलता – सफलताएँ

सोचिए और बताइए Think & Tell
सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs
1. (क) वह नदी पार नहीं जा पाएगा।
   (ख) हार नहीं मानती।
   (ग) मोती ले आता है।
2. (क) पहली दो पंक्तियों में बताया गया है कि यदि हम संकटों और बाधाओं से घबरा जाएँगे तो सफलता प्राप्त नहीं कर पाएँगे।
   (ख) बार-बार चढ़ना-गिरना चींटी को नहीं अखरता है, क्योंकि वह जब तक दाने को अपने बिल में नहीं ले जाती, हार नहीं मानती है।
   (ग) असफल होने पर फिर से नए उत्साह के साथ एक नई शुरूआत करनी चाहिए।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar
3. जाएगा–पाएगा, आता–घबराता।
4. चलती √, भरता √, आना √, करो √, भागो √, किया √

रचनात्मक कार्य Creative Work
5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 14 : चंद्रशेखर आज़ाद

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• देश प्रेम • सहानुभूति • सहायता एवं सहयोग • महापुरुषों के प्रति सम्मान

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	जीवनी अंश
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, दिए गए संकेतों के आधार पर लिखना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, संज्ञा के भेद, मुहावरे, विलोम शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	चरित्र-चित्रण, वर्णन, परिणाम, समस्या-समाधान, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	पत्र-लेखन, स्वतंत्रता संग्राम की किसी घटना की जानकारी प्राप्त करके कक्षा में बताना
जीवन मूल्य Values	देश-प्रेम एवं महापुरुषों के प्रति सम्मान की भावना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आज़ाद के जीवन की कुछ घटनाओं पर आधारित है। पहली घटना में बताया गया है कि उनके नाम के साथ 'आज़ाद' शब्द कैसे जुड़ गया। 1919 में अंग्रेज़ जरनल डायर के आदेश पर अमृतसर के जलियांवाले बाग में सभा के लिए बैठे हुए हज़ारों लोगों पर गोलियाँ बरसाई गईं। वहाँ बालक चंद्रशेखर भी उपस्थित

था। वह इस घटना का बदला लेने के लिए अवसर की तलाश में रहने लगा। उन्हीं दिनों इंग्लैंड के युवराज एडवर्ड भारत आए। गांधी जी के नेतृत्व में उनके बहिष्कार का आंदोलन छिड़ गया। बालक चंद्रशेखर भी इस आंदोलन में शामिल हुआ। उसका जोश और तेवर देखकर उसे गिरफ़्तार कर लिया गया और उसपर मुकद्दमा चलाया गया। मुकद्दमे के दौरान उसके उत्तरों से क्रोधित होकर मजिस्ट्रेट ने उसे पंद्रह बेंत लगाने की सज़ा दे दी। जब-जब उसकी पीठ पर बेंत पड़ती, वह ज़ोर से बोलता – महात्मा गांधी की जय! भारत माता की जय! इस घटना के बाद से बालक चंद्रशेखर 'चंद्रशेखर आज़ाद' नाम से प्रसिद्ध हो गया। चंद्रशेखर ने कई आंदोलनों में भाग लिया और वे अंग्रेज़ सरकार के लिए चुनौती बन गए। सरकार हर हाल में उन्हें पकड़ना चाहती थी। एक दिन वे पुलिस से छुपते हुए एक वृद्धा के घर आ गए। वहाँ उन्हें पता लगा कि उस वृद्धा की पुत्री का विवाह पैसों के अभाव में नहीं हो पा रहा है। तब उन्होंने कहा कि – मुझ पर सरकार ने इनाम रखा हुआ है। आप मुझे पकड़वा दीजिए, और इनाम में जो पैसे मिलें उनसे मेरी बहन का विवाह कर दीजिए। वृद्धा ने इस बात से साफ़ इंकार कर दिया। अगले दिन सुबह वृद्धा की बेटी के विवाह हेतु कुछ रुपये रखकर चंद्रशेखर बिना कुछ बताए वहाँ से चले गए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ एक स्वतंत्रता सेनानी पर आधारित है। विद्यार्थियों से स्वतंत्रता संग्राम के विषय में बातें करें। कुछ प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों के विषय में जानकारी दें। उनसे पूछें कि वे स्वतंत्रता संग्राम के विषय में क्या जानते हैं। सबको बोलने का अवसर दें। यदि कोई विद्यार्थी इस विषय में कुछ कहना चाहता है तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पढ़कर पाठ सुना दें। इसके बाद स्वतंत्रता के महत्त्व पर चर्चा करें। भारत के कुछ ऐसे प्रसिद्ध स्थल हैं, जो स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित हैं। उनके विषय में जानकारी दें और विद्यार्थियों से भी पूछें कि क्या वे भी ऐसे किसी स्थल के विषय में जानते हैं? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. चूँकि पाठ एक स्वतंत्रता सेनानी के विषय में है, अत: विद्यार्थियों को अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।

8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **जलियाँवाला बाग कहाँ है?**

     ☐ **जालंधर में** ☐ **पटियाला में** ☐ **अमृतसर में**
10. श्यामपट्ट पर **संज्ञा और उसके भेद** समझाएँ। इसके बाद पुस्तक में दिया गया अभ्यास-कार्य करवाएँ। विलोम शब्द पूर्व की भांति करवाएँ। **मुहावरों से संबंधित गतिविधि** भी पहले मौखिक रूप से समझा दें। उसके बाद करने के लिए दें।
11. **गतिविधि-4** पहले श्यामपट्ट पर ही **मौखिक रूप** से पूछ लें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में ही करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि पाठ में आई वृद्धा के बारे में अपनी राय बताइए।
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ की उत्तरमाला

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. इन शब्दों का विद्‌यार्थी स्वयं शुद्‌धता से उच्चारण करेंगे।
2. (क) चंद्रशेखर बचपन से ही अत्यंत साहसी और निर्भीक थे।
   (ख) जवाहरलाल नेहरू ने अपनी आत्मकथा में बालक चंद्रशेखर से संबंधित उस घटना का वर्णन किया जब उनको अंग्रेज़ों के द्‌वारा पंद्रह बेंत मारने की सज़ा मिली थी।

(ग) जब अंग्रेज़ों ने बालक चंद्रशेखर को पंद्रह बेंत मारने की सज़ा दी और जिस प्रकार उस साहसी बालक ने उस निर्मम सज़ा को स्वीकार किया, उस घटना के बाद बालक चंद्रशेखर 'आज़ाद' के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

(घ) वृद्धा ने चंद्रशेखर की बात मानने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि वृद्धा पैसों के लालच में अपने देश से धोखा नहीं कर सकती थी।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) आज़ाद (ख) पंद्रह बेंत लगाने की सज़ा

(ग) बैसाखी वाले दिन (घ) इंग्लैंड के युवराज

लिखित Writing

1. विद्यार्थी इन शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) सन् 1919 को भारत देश के अमृतसर शहर में अत्यंत हृदयविदारक घटना घटी थी। बैसाखी के दिन अमृतसर के जलियाँवाला बाग में अंग्रेज़ जनरल डायर के आदेश पर एक सभा में बैठे हज़ारों निहत्थे लोगों पर गोलियाँ चलाई गई थीं। इसी समाचार ने देश भर में खलबली मचा दी थी।

   (ख) महात्मा गांधी के नेतृत्व में इंग्लैंड के युवराज एडवर्ड के बहिष्कार का आंदोलन छिड़ गया।

   (ग) चंद्रशेखर आज़ाद परतंत्र भारत को स्वतंत्र कराने के लिए एक क्रांतिकारी संगठन में शामिल हो गए थे। उन्होंने अनेक खतरों से भरे आंदोलनों में भी भाग लिया। उनको पकड़ने में अंग्रेज़ सरकार हमेशा असफल रहती, इसी लिए चंद्रशेखर आज़ाद अंग्रेज़ सरकार के लिए चुनौती बन गए थे।

   (घ) चंद्रशेखर आज़ाद का नाम सुनते ही वृद्धा इसलिए खुश हो गई क्योंकि चंद्रशेखर की वीरता के किस्से पूरे भारतवर्ष में प्रसिद्ध हो चुके थे। सब जानते थे कि किस प्रकार चंद्रशेखर देश की आज़ादी के लिए अपनी जान ज़ोखिम में डालकर अंग्रेज़ों से लड़ रहे थे। ऐसे वीर जब उस वृद्धा के घर शरण लेने गया तो वृद्धा अपने भाग्य पर बहुत खुश हो गई।

   (ङ) चंद्रशेखर आज़ाद बचपन से निर्भीक और साहसी थे। बचपन से ही वीरों की कहानियाँ पढ़कर उनके मन में भी देश के प्रति भक्ति और प्रेम की भावना कूट-कूटकर भरी हुई थी। अमृतसर के भयानक जलियाँवाला काँड के बाद से तो उन्होंने देश को आज़ाद कराने की ही ठान ली थी। अपने इसी देशप्रेम और निर्भीक स्वभाव के कारण उनका नाम भी 'आज़ाद' पड़ गया था। अपने तेज और निडरता के कारण वे अंग्रेज़ों के लिए भी एक चुनौती बन चुके थे।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – चंद्रशेखर, अमृतसर, इंग्लैंड, जवाहरलाल नेहरू
   जातिवाचक संज्ञा – देश, कचहरी, बेंत, लड़का, दरवाज़ा, वृद्धा
   भाववाचक संज्ञा – बचपन, गुस्सा, जोश, नेतृत्व, परेशानी
2. क्रूर x दयालु | देश x विदेश
   निडर x डरपोक | गद्दार x वफ़ादार
   साहसी x कायर | निष्फल x सफल
3. विद्यार्थी स्वयं अपनी समझ से करेंगे।
4. ☒ निर्भीक ☒ कहाँ ☒ अत्यंत ☒ उस ☒ बाद ☒ अंग्रेज़ी

सोचिए और बताइए Think & Tell

सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) √, (ख) √, (ग) x, (घ) x, (ङ) √, (च) √, (छ) x, (ज) √
2. (क) चंद्रशेखर जलियाँवाला बाग में हुए हत्याकांड का बदला लेने के लिए अवसर की तलाश में रहने लगे।
   (ख) बालक चंद्रशेखर इंग्लैंड के युवराज एडवर्ड के भारत आगमन पर, उनका बहिष्कार करने के लिए होने वाले आंदोलनों में पूरे जोश के साथ भाग ले रहा था।। उसके तेवर देखकर पुलिस ने उसे गिरफ़्तार कर लिया।
   (ग) मजिस्ट्रेट ने बालक चंद्रशेखर के उत्तरों से नाराज़ होकर उसे पंद्रह बेंतों की सज़ा सुना दी।
   (घ) अंग्रेज़ों से बचने के लिए चंद्रशेखर एक रात वृद्धा के घर में रहे।
3. (क) करके ही रहते, (ख) बहिष्कार, (ग) जेलखाने, (घ) संगठन; चुनौती, (ङ) प्रयास; निष्फल

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. निर्दयी √, कोशिश √, खतरा √, खिलाफ √, शस्त्रहीन √, परिणामहीन √

5. ठान लेना = पक्का निश्चय कर लेना। जी तोड़ कोशिश करना = किसी चीज़ को पाने के लिए बहुत ज़्यादा प्रयास करना। पंजे में न आना = किसी भी तरह से पकड़ में न आना।

- इन मुहावरों के अर्थ दे दिए गए हैं। इनका वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

6.

निडर	x	डरपोक	आज़ाद	x	गुलाम
सफल	x	असफल	सुबह	x	शाम
बाहर	x	अंदर	विदेशी	x	स्वदेशी

7.

जिसे डर न लगे	=	निडर
जिसमें साहस हो	=	साहसी
जो किसी के अधीन न हो	=	स्वाधीन
जिसमें दया हो	=	दयालु
जो देश के प्रति धोखा करे	=	धोखेबाज़/देशद्रोही

8. पुलिस, मुकद्दमा, ज्वाला, कार्यक्रम
गोलियाँ, उन्होंने, क्रांति, घोषित

रचनात्मक कार्य Creative Work

9. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।